RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 6 , अंकः182, गुरुवार, 10 जुलाई 2025 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

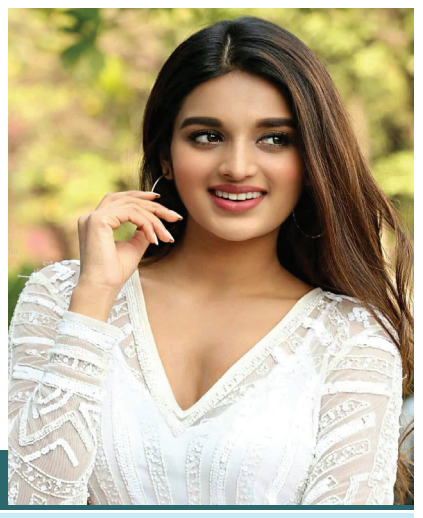

एलएनडी कॉलेज में आज से होगी स्नातक द्वितीय सेमेस्टर की आंतरिक मूल्यांकन 03

हथियार के साथ एक अपराधी गिरफ्तार, अपाची बाइक भी बरामद 04

निधि अग्रवाल ने फिल्म सिंगल की तारीफ की, बताया-एक मजेदार यात्रा 07

बिहार बंद का असर पटना सहित कई जिलों में दिखा, 17 स्टेशनों पर भी किया गया प्रदर्शन

एजेंसी, पटना

बिहार में चुनाव आयोग द्वारा चल रहे मतदाता सूची पुनरीक्षण के विरोध में आईएनडीआईए गठबंधन द्वारा बुधवार को बुलाए गए बंद का असर पटना सहित कई जिलों में देखने को मिला। राजधानी पटना के अलावा गोपालगंज, दरभंगा, आरा, मधेपुरा, किशनगंज, खगड़िया, मधुबनी, गयाजी और सहरसा समेत कई जिलों में बंद समर्थकों ने जमकर प्रदर्शन किया है। इस दौरान कहीं ट्रेनें रोक दी गईं, तो कहीं सड़क पर आगजनी कर आवागमन को बाधित कर दिया गया। पटना की सड़क पर राहुल गांधी, तेजस्वी यादव समेत महागठबंधन के अन्य दिग्गज नेता प्रदर्शन करते नजर आए।

राज्य के 17 रेलवे स्टेशनों पर भी बंद के दौरान प्रदर्शन किया गया। पूर्व मध्य रेलवे (पूमरे) ने बुधावर को इसकी जानकारी दी है। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि राज्य भर के 17 अलग-अलग स्टेशनों पर

प्रदर्शनकारियों द्वारा ट्रेनों को कुछ समय के लिए रोका गया। हालांकि, इस दौरान कहीं भी हिंसा या तोड़फोड़ की घटना नहीं हुई। मुजफ्फरपुर में वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को भी रोका गया। मजदूर एवं कर्मचारी संगठनों ने भी विभिन्न मांगों को लेकर बुधवार को बिहार समेत देश भर में बंद बुलाया। बिहार ग्रामीण बैंक में हड़ताल से करीब 10 हजार करोड़ रुपये के कारोबार के नुकसान होने की खबर है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पहले से तय कार्यक्रम के तहत इस बिहार बंद को धार देने के लिए पटना पहुंचे। पटना पहुंचने के बाद राहुल गांधी आयकर गोलंबर पर पहुंचे। जहां पहले से ही बिहार विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव मौजूद थे। यहां महागठबंधन के नेताओं और कार्यकर्ताओं का हुजूम उमड़ा हुआ था। आयकर गोलंबर से राहुल गांधी, तेजस्वी यादव, दीपांकर भट्टाचार्य और मुकेश सहनी सहित महागठबंधन के अन्य नेता एक वाहन पर सवार होकर मार्च के लिए निकले। गाड़ी पर दिग्गज

नेताओं के साथ पटना की सड़क पर कार्यकर्ता लगातार पैदल मार्च कर रहे थे। पैदल मार्च करते हुए यह हुजूम शहीद स्मारक पहुंचा। यहां निर्वाचन कार्यालय से कुछ दूर पहले ही पुलिस ने बैरिकेडिंग कर रखी थी। कई कार्यकर्ताओं ने यहां बैरिकेडिंग को तोडऩे का भी प्रयास किया औऱ कई बार स्थिति तनावपूर्ण भी बनी। पुलिस लगातार बैरिकेडिंग ना तोड़ने की अपील यहां कर रही थी। इस दौरान महागठबंधन के नेताओं ने अपने संबोधन में केंद्र और राज्य सरकार को घेरा तथा बिहार चुनाव से पहले मतदाता पुनरीक्षण को घातक बताया। बिहार बंद के समर्थन में राहुल गांधी के पटना आने पर राज्य के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने तंज कसा है। उन्होंने कहा कि राहुल पिकनिक मनाने बिहार आए हैं। बिहार की समस्या से उनको कोई लेना-देना नहीं है। चिराग पासवान के जीजा और लोजपा (रामविलास) के जमुई से सांसद अरुण भारती ने भी बिहार बंद को लेकर महागठबंधन पर निशाना साधा है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि "लोकतंत्र में विरोध, प्रदर्शन और हड़ताल करना सबका अधिकार है। मगर महाठगबंधन का 'बिहार बंद' और 'चक्का जाम' का असली मकसद है अपनी कुर्सी का इंतजाम।" पटना में बिहार बंद के दौरान पूर्णिया से सासंद पप्पू यादव और कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार को राहुल गांधी एवं तेजस्वी यादव की गाड़ी में चढ़ने से रोका गया। राहुल-तेजस्वी ओपन गाड़ी में सवार होकर महागठबंधन के मार्च का नेतृत्व कर रहे थे। तभी पप्पू और कन्हैया ने भी उसमें चढ़ने की कोशिश की। लेकिन सुरक्षाकर्मियों ने दोनों नेताओं को रोक दिया। इस कारण उन्हें भारी फजीहत झेलनी पड़ी। बिहार बंद में शामिल होने के लिए पटना आए कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को मृतक गोपाल खेमका के घर जाकर उनके परिजनों से मिलना था। लेकिन, प्रशासन ने सुरक्षा कारणों की वजह से राहुल को गोपाल खेमका के घर जाने से रोका दिया, जिसके बाद राहुल गांधी सीधे पटना एयरपोर्ट पहुंचे और वहां से दिल्ली रवाना हो गए।

ढाई दशक से फरार यूएस में छिपी मोनिका कपूर सीबीआई ने किया गिरफ्तार

वॉशिंगटन : अमेरिका में छिपी एक आर्थिक अपराधी जल्द ही भारत की सरजमी पर होगी। जी हां, सीबीआई ने आर्थिक अपराधी मोनिका कपूर को अमेरिका में अपनी कस्टडी ले लिया है। सीबीआई की टीम बुधवार रात तक उसे लेकर भारत पहुंचेगी। मोनिका कपूर 26 साल से फरार चल रही थी। अमेरिकी कोर्ट ने उसके प्रत्यपर्ण को हरी झंडी दी है। मोनिका कपूर पर 16 फर्जी लाइसेंस से करोड़ों की हेरा-फेरी का मामला है और उसके खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी हुआ था। यह कांड आज से 26 साल पुराना है। बता दें यह मामला साल 1999 का है। आरोप है कि मोनिका कपूर और उसके दो भाई राजन और राजीव खन्ना ने मिलकर फर्जी एक्सपोर्ट डॉक्यूमेंट तैयार किए। इन नकली कागजों की मदद से इन्होंने भारत सरकार से 16 'रिप्लेनिशमेंट लाइसेंस' हासिल किए। इनमें से 14 लाइसेंस इन्होंने एक दूसरी कंपनी को बेच दिए, जिसने इनका इस्तेमाल कर के बिना किसी कस्टम ड्यूटी के सोना आयात किया। इस हेराफेरी की वजह से भारत सरकार को करीब 6.8 लाख डॉलर यानी लगभग 5.5 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। दरअसल, करीब 26 साल पुरानी करोड़ों की धोखाधड़ी की जांच अब फिर से सुर्खियों में है।

गुजरात में बड़ा हादसाः वडोदरा-आणंद को जोड़ने वाला पुल टूटा, चार वाहन नदी में गिरे, 4 की मौत

वडोदरा : गुजरात में बुधवार सुबह करीब 8 बजे एक बड़ा हादसा हो गया, जब वडोदरा के पादरा और आणंद जिले को जोड़ने वाला 45 साल पुराना पादरा-गंभीरा पुल महिसागर (माही) नदी पर ढह गया। हादसे के समय पुल पर से गुजर रहे दो ट्रक, एक बोलेरो और एक जीप नदी में गिर गए। अब तक चार लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि पांच लोग घायल हुए हैं। घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। हादसे की खबर मिलते ही मुजपुर और आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में लोग मौके पर पहुंचे। स्थानीय प्रशासन, पुलिस बल और स्वास्थ्यकर्मी भी तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और राहत-बचाव कार्य शुरू किया गया। मौके पर मौजूद गोताखोरों ने पांच लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला है। इस हादसे की वायरल हुई तस्वीरों और वीडियो फुटेज में एक टैंकर पुल की टूटी रेलिंग पर लटका हुआ नजर आया है। जानकारी अनुसार गंभीर पुल, जो मध्य गुजरात को सौराष्ट्र क्षेत्र से जोड़ता है, वडोदरा और आणंद के बीच यातायात का एक प्रमुख मार्ग था। पुल के जर्जर हालत को लेकर स्थानीय लोग लंबे समय से प्रशासन को चेता रहे थे।

राजस्थान के चुरू में आर्मी का फाइटर प्लेन क्रैश, दो शव किए गए बरामद

जयपुर : राजस्थान के चुरू में बुधवार को एक फाइटर प्लेन क्रैश हुआ है। मलबे से दो शव भी बरामद किए हैं। यह वायुसेना का टू सीटर जगुआर लड़ाकू विमान था। लड़ाकू विमान ने सूरतगढ़ एयरबेस से उड़ान भरी थी और इसमें दो पायलट सवार थे। चुरू के रतनगढ़ के पास ये हादसा हुआ है। जानकारी अनुसार बुधवार दोपहर तेज आवाज के साथ लोगों ने विमान को जमीन पर बिखरे हुए देखा। कुछ ही पलों में खेतों में दूर तक विमान का मलबा बिखर गया, जिसमें आग लग चुकी थी। इतना ही नहीं ग्रामीणों ने दो लोगों के क्षत-विक्षत शव भी देखे। पुलिस और प्रशासन की टीम ने मौके पर पहुंचकर आग बुझाने का काम शुरू किया। मलबे से दो शव बरामद किए गए हैं। पुलिस ने बताया कि 1.25 पर भनोदा गांव के खेतों में विमान गिरा। उन्होंने बताया कि घटनास्थल के पास मानव अंग बरामद किए हैं। ग्रामीणों के मुताबिक, उन्होंने तेज धमाके की आवाज के बाद धुएं का गुबार उठता देखा। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंच गई हैं।

मतदाता सूची विवाद के चलते बिहार जैसा मॉडल पूरे देश में लागू करेगा आयोग

एजेंसी, नई दिल्ली

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची की जांच पड़ताल चल रही है है। इसको लेकर कुछ सवाल भी खड़े हुए हैं और विपक्ष का आरोप है कि इसमें लाखों मतदाता अपने मताधिकार से वंचित हो जाएंगे। ये विवाद खत्म होता इससे पहले सूत्रों के हवाले से खबरें आ रहीं है कि विशेष गहन पुनरीक्षण (सर) प्रक्रिया यानी बिहार वाला मॉडल पूरे देश में लागू होगा। चुनाव आयोग के सूत्रों के अनुसार सर को पूरे देश में चरणबद्ध तरीके से लागू करने की योजना है। इसके ऑर्डर के पैरा 10 के तहत यह प्रक्रिया शुरू की गई है, जिसमें बिहार के बाद अन्य राज्यों में इसे लागू करने का निर्णय आयोग उचित समय पर लेगा।बिहार में इसकी शुरुआत इसलिए हुई क्योंकि यहां चुनाव पहले हुए थे, लेकिन अब आयोग का ध्यान देश के अन्य राज्यों पर है। इसमें पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम और पुडुचेरी जैसे आगामी चुनावी राज्य भी शामिल हैं। चुनाव आयोग के सूत्रों के अनुसार अभी यह तय नहीं है कि सर को पूरे देश में एक साथ लागू किया जाए या चुनावों के करीब आने के साथ-साथ चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाए। इस पर आगामी समय में फैसला लिया जाएगा। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने हाल ही में कहा था कि 'शुद्ध मतदाता सूची' लोकतंत्र को सशक्त बनाने के लिए अनिवार्य हैं। उनका यह बयान सर प्रक्रिया के पीछे की मंशा को दर्शाता है, जिसका उद्देश्य मतदाता सूची से नकली और दोहराए गए नामों को हटाकर चुनाव प्रक्रिया को पारदर्शी बनाना है। हालांकि, यह फैसला विपक्षी दलों के लिए नई चुनौती बन सकता है।

समस्तीपुर में शौचालय की टंकी साफ करने उतरे एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत

एजेंसी, पटना

समस्तीपुर जिले के बिथान प्रखंड सलहा बुजुर्ग गांव में शौचालय की टंकी साफ करने दौरान दम घुटने से एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई। मृतकों में दो सगे भाई और उनमें से एक का बेटा शामिल है। घटना की सूचना पर पहुंची लरझा घाट थाना पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

पीड़ित परिवार के मुताबिक राम उमेश साहू (42) अपने घर में बनी एक पुरानी शौचालय की टंकी की सफाई के लिए उसमें उतरे। इस दौरान पुरानी टंकी से नई टंकी में गैस और

पानी का रिसाव हो रहा था। जब राम उमेश काफी देर तक बाहर नहीं आए, तो उनके छोटे भाई दया राम साहू (38) उन्हें देखने और बचाने के लिए उसी टंकी में उतर गए। दुर्भाग्यवश, वह भी अंदर जाते ही बेहोश हो गए। पिता और चाचा के बाहर नहीं आने पर दया राम साहू का 15 वर्षीय बेटा राधेश्याम साहू उन्हें बचाने के लिए टंकी में उतरा, लेकिन वह भी जहरीली गैस की चपेट में आकर वहीं बेहोश होकर गिर पड़ा। घटना के बाद ग्रामीणों ने तत्काल जेसीबी और सीढ़ियों की मदद से तीनों को टंकी से बाहर निकाला और हसनपुर सीएचसी में भर्ती कराया। लेकिन उनकी गंभीर हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें तुरंत रेफर कर दिया। परिजन बेहतर इलाज के लिए उन्हें बेगूसराय ले गए, लेकिन इलाज के दौरान तीनों की मौत हो गई। हसनपुर सीएचसी से जब तीनों को रेफर किया गया, तो परिजनों ने अस्पताल परिसर में जमकर हंगामा किया। परिजनों का आरोप था कि अस्पताल में ऑक्सीजन की समुचित व्यवस्था नहीं थी, पंखे तक नहीं चल रहे थे और मरीजों की हालत को गंभीर बताकर जल्दबाजी में रेफर किया जा रहा था।

आलिया भट्ट की पूर्व पर्सनल असिस्टेंट गिरफ्तार, 77 लाख की धोखाधड़ी का आरोप

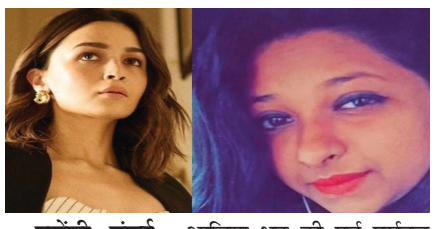

एजेंसी, मुंबई : आलिया भट्ट की पूर्व पर्सनल असिस्टेंट वेदिका प्रकाश शेट्टी को हाल ही में जुहू पुलिस ने गिरफ्तार किया है। करीब पांच महीने की तलाश के बाद वेदिका प्रकाश शेट्टी को आखिरकार बेंगलुरु से गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया गया। उन पर आलिया के प्रोडक्शन हाउस 'एटरनल सनशाइन प्रोडक्शंस प्राइवेट लिमिटेड' और उनके निजी खातों से लगभग 77 लाख रुपये की धोखाधड़ी का आरोप है। यह फर्जीवाड़ा मई, 2022 से अगस्त, 2024 के बीच की अवधि का बताया गया है। आलिया की मां सोनी राजदान की ओर से की गई शिकायत पर पुलिस ने कुछ महीने पहले ही मामला दर्ज किया था, जिसकी जांच के बाद अब यह गिरफ्तारी की गई है।

जस्टिस वर्मा का छिनेगा पद! सरकार ने दी महाभियोग प्रस्ताव को मंजूरी

एजेंसी, नई दिल्ली

घर में मिली नकदी मामले में जस्टिस यशवंत वर्मा की कुर्सी छीनने की प्रक्रिया आगे बढ़ सकती है। उनके खिलाफ सरकार महाभियोग प्रस्ताव को मंजूरी दे चुकी है और 21 जुलाई से शुरू होने वाले मॉनसून सत्र में इसे पेश किया जाएगा। फिलहाल सरकार इस बात को लेकर मंथन कर रही है कि इसे राज्यसभा में पहले पेश किया जाए या पहले लोकसभा से पारित कराया जाए। विपक्षी सांसद भी जस्टिस यशवंत वर्मा के महाभियोग प्रस्ताव पर समर्थन करने को तैयार हैं। बस कांग्रेस की मांग है कि जस्टिस शेखर यादव पर भी महाभियोग

लाया जाए, जिन्होंने विश्व हिंदू परिषद के कार्यक्रम में सांप्रदायिकता फैलाने वाला बयान दिया था। बता दें महाभियोग प्रस्ताव पर लोकसभा के कम से कम 100 सांसदों के हस्ताक्षर होना जरुरी है। इसके अलावा राज्यसभा के 50 सांसदों का समर्थन हो। यह शर्त सदन में प्रस्ताव लाने के लिए है। इसके अलावा मंजूरी के लिए दो तिहाई बहुमत वाला नियम है। यदि दोनों सदनों से प्रस्ताव बहुमत के साथ पारित होता है तो फिर उसे राष्ट्रपति को भेजा जाता है और उनके हस्ताक्षर के बाद ही संबंधित जज को हटाया जा सकता है। हालांकि इस पूरी प्रक्रिया के बीच एक पेच यह भी है कि संसद में जब इस प्रस्ताव को लाया जाता है तो स्पीकर जांच के लिए एक कमेटी का गठन करते हैं। इस कमेटी में भारत के चीफ जस्टिस या फिर सुप्रीम कोर्ट के किसी अन्य जज, किसी हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस और एक विद्वान कानूनविद को शामिल किया जाता है। कमेटी की रिपोर्ट में यदि संबंधित जज के आचरण पर उठे सवालों को सही पाया जाता है तो फिर सदन में महाभियोग प्रस्ताव पर मतदान की प्रक्रिया कराई जाती है।

चारा घोटालाः झारखंड हाईकोर्ट ने लालू प्रसाद सहित तीन की सजा बढ़ाने की सीबीआई याचिका स्वीकार की

एजेंसी, रांची

झारखंड हाईकोर्ट ने चारा घोटाले के देवघर ट्रेजरी से 89 लाख रुपये की फर्जी निकासी मामले में बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव, बेक जूलियस और सुधीर कुमार भट्टाचार्य की सजा बढ़ाने की सीबीआई की क्रिमिनल अपील स्वीकार कर ली। न्यायाधीश रंगोन मुखोपाध्याय और अंबुज नाथ की पीठ ने सीबीआई की दलीलें सुनने के बाद यह फैसला लिया। सीबीआई ने चारा घोटाले में देवघर ट्रेजरी से हुई अवैध निकासी के मामले में सीबीआई के विशेष न्यायाधीश की अदालत द्वारा दी गयी सजा को बढ़ाने के लिए क्रिमनल अपील दायर की थी। इसमें छह दोषियों की सजा बढ़ाने का अनुरोध किया गया था। इसमें लालू प्रसाद यादव, बेक जूलियस, सुधीर कुमार भट्टाचार्य आरके राणा, फूलचंद सिंह और महेश प्रसाद का नाम था। इसमें से आरके राणा, फूलचंद सिंह और महेश प्रसाद की मौत हो चुकी है। इसलिए बाकी बचे तीन के मामले में सुनवाई हुई। सीबीआई की ओर से अधिवक्ता दीपक भारती ने दलील पेश की। उन्होंने अदालत से कहा कि सीबीआई के विशेष न्यायाधीश की अदालत ने चारा घाटोले के कांड संख्या आरसी 64ए/96 में जगदीश शर्मा, को पीसी एक्ट और आईपीसी की धाराओं के तहत सात सात साल की सजा सुनाई थी। साथ ही 10-10 लाख रुपये का अर्थ दंड भी लगाया था। लेकिन अदालत ने लालू प्रसाद, बेक जूलियस और सुधीर कुमार भट्टाचार्य को साढ़े तीन तीन साल की सजा सुनायी थी। निचली अदालत द्वारा दी गयी यह सजा कम है। क्योंकि निचली अदालत ने अपने फैसले में यह लिखा है कि लालू प्रसाद के संरक्षण के चारा घोटाले को अंजाम दिया गया। निचली अदालत की ओर से लिखी गयी इस बात के मद्देनजर घोटाले को संरक्षण देने वाले को दी गयी सजा कम है। इसलिए इन आरोपितों को ज्यादा सजा मिलनी चाहिए।

मोदी पहुंचे नामीबिया, पारंपरिक नृत्य से हुआ जोरदार स्वागत; पीएम मोदी ने भी बजाया ढोल

27 साल बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री की ऐतिहासिक यात्रा

एजेंसी, विंडहोक

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दक्षिण-पश्चिम अफ्रीका के देश नामीबिया के दौरे पर पहुंच गए हैं। यह 27 वर्षों बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री की नामीबिया यात्रा है। राजधानी विंडहोक के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उनका भव्य स्वागत पारंपरिक नृत्य और संगीत के साथ किया गया। इस दौरान पीएम मोदी ने स्वागत कर रहे कलाकारों के साथ मिलकर ढोल भी बजाया, जिससे समारोह में उत्साह का एक अलग ही माहौल बन गया। यहां बताते चलें कि पीएम मोदी से पहले वर्ष

1998 में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने नामीबिया की यात्रा की थी। उससे पहले 1990 में वीपी सिंह और राजीव गांधी जैसे वरिष्ठ भारतीय नेता भी स्वतंत्र नामीबिया के उत्सवों में भाग लेने के लिए वहां जा चुके हैं।

प्रधानमंत्री मोदी, नामीबिया की राष्ट्रपति नेटुम्बो नंदी-नदैतवा से मुलाकात करेंगे। इस दौरान हीरा कारोबार, यूरेनियम और अन्य खनिजों की आपूर्ति, और ऊर्जा एवं व्यापार सहयोग पर अहम बातचीत की संभावना है। मोदी इस दौरे में नामीबिया की संसद को भी संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी की यह यात्रा 2 जुलाई से 10 जुलाई तक पांच देशों (घाना, त्रिनिदाद एंड टोबैगो, अर्जेंटीना, ब्राजील और नामीबिया) के दौरे का हिस्सा है। भारत और नामीबिया के बीच पिछले कुछ वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। 2024-25 में कुल व्यापार 4,858 रुपये करोड़ तक पहुंच गया, जिसमें भारत का निर्यातः 2,798 रुपये करोड़ और नामीबिया से आयात 2,061 रुपये करोड़ रहा है।

संक्षिप्त समाचार

मुजफ्फरपुर में एईएस के केस में इजाफा

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में मौसम में बदलाव होते ही चमकी बुखार का प्रकोप भी बढ़ने लगा है। मंगलवार को एक बच्चें में AES की पुष्टि हुई है। इसके साथ ही अब-तक जिले में कुल 37 बच्चों में AES की पुष्टि हो चुकी है। जिसमें 29 बच्चे मुजफ्फरपुर जिले के है। तीन बच्चा सीतामढ़ी, तीन शिवहर, एक मोतिहारी और एक बच्चा गोपालगंज का है। इसके साथ ही पीलिया,डायरिया,जुकाम खांसी से भी बच्चे पीड़ित हो रहे है। इसको लेकर स्वास्थ्य विभाग अलर्ट मोड पर है। जिले के औराई प्रखंड के मनीष कुमार (3) को

अचानक चमकी बुखार हुआ। परिजन ने उसे स्थानीय अस्पताल में भर्ती करवाया। लेकिन कोई सुधार नहीं हुआ। उसे SKMCH लाया गया। यहां पीकू वार्ड में भर्ती कर उसका इलाज शुरू हुआ। उसका ब्लड सैंपल जांच के लिए भेजा गया। जिसके बाद AES की पुष्टि हुई है। बच्चा को स्वस्थ्य होने के बाद डिसचार्ज कर दिया गया है। सिविल सर्जन डॉ अजय कुमार ने बताया कि मोतिहारी के एक बच्चा में AES की पुष्टि हुई है। इलाज के बाद उसे डिस्चार्ज कर दिया गया है। कुल बच्चों की संख्या 34 हो गई है। जिसमें 29 बच्चे मुजफ्फरपुर जिले के है। अन्य बच्चे दूसरे जिले के है। गर्मी लगातार बढ़ रही है। हमलोग जागरूकता अभियान निरंतर चला रहे है। स्वास्थ्य विभाग की सारी व्यवस्था चल रही है। AES को लेकर हम लोगों की तैयारी मुकम्मल है। सभी दवाइयां उपलब्ध है। स्वास्थ्यकर्मी तत्परता के साथ अपना काम कर रहे हैं। बचाओ के लिए शहर से ग्रामीण क्षेत्रों में लोगो को जागरूक भी किया जा रहा है। वाहन टैगिंग भी की जा चुकी है। एम्बुलेंस भी उपलब्ध है। एईएस को लेकर जिले के सदर अस्पताल में कंट्रोल रूम खोला गया है। कंट्रोल रूम 24 घंटे खुला रहेगा। कंट्रोल रूम में स्वास्थ्यकर्मियों की ड्यूटी लगा दी गई है। किसी तरह की कोई परेशानी आने पर कंट्रोल रूम से इसका निदान किया जाएगा। डॉक्टरों के मुताबिक, छोटे बच्चे हर चीज नहीं मांग सकते। ऐसे में बड़ों को ही उनका ख्याल रखना होता है। गर्मी में उन्हें उबालकर पानी दें।

मुजफ्फरपुर में चार नेशनल हाईवे पर गाड़ियों की लंबी लाइन

मुजफ्फरपुर। बिहार में वोटर वेरिफिकेशन के विरोध में महागठबंधन के बिहार बंद का मुजफ्फरपुर में भी असर दिखा। शहर को जोड़ने वाले चार नेशनल हाईवे पर सुबह 8 बजे से दोपहर एक बजे तक गाड़ियों की लंबी लाइन लगी रही। बुधवार सुबह महागठबंधन के नेता और कार्यकर्ता सैंकड़ों की संख्या में सड़कों पर उतर गए। इस दौरान सड़क जाम कराया गया, दुकानों को भी बंद कराया गया और सड़क पर आगजनी भी की गई। महागठबंधन कार्यकर्ताओं और नेताओं ने बंद के दौरान केंद्र, राज्य सरकार और इलेक्शन कमीशन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इसके बाद मुजफ्फरपुर के जीरो माइल चौक को सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने राजद नेता चंदन यादव के नेतृत्व में जाम कर दिया। साथ ही टायर जला कर विरोध प्रदर्शन और इलेक्शन कमीशन होश में आओ के नारे लगाए। वहीं, दूसरी तरफ मुजफ्फरपुर मोतिहारी रेल मार्ग के कपरपूरा स्टेशन के पास प्रदर्शनकारियों ने वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन भी रोक दिया। नेतृत्व कांग्रेस के नेता कर रहे थे। आधे घंटे के बाद ट्रेन को रवाना किया गया। रेल डीएसपी निधि कुमारी ने बताया कि स्टेशनों पर पुलिसकर्मी की प्रतिनियुक्ति की गई थी। सुबह से ही हर जगह निगरानी रखी जा रही थी। कुछ जगहों पर रेल रोकने का प्रयास किया गया है, लेकिन कही क्षति नहीं हुई है। कपड़पुरा गुमटी के पास 12 लोग बैठे हुए थे। जिस कारण वंदे भारत ट्रेन 10 मिनट लेट हुई है। मोतिहारी आरपीएफ लोगों को चिह्नित कर कार्रवाई करेगी। कांग्रेस नेता कृपा शंकर साही ने बताया कि आज बिहार बंद का आह्वान किया गया है। जिसके तहत हमलोगों ने रेल का चक्का जाम किया है। वंदे भारत ट्रेन को रोका। मतदाता पुनरीक्षण का नया फॉर्मूला लाकर लोगों के सिर पर पटक दिया गया है। यह साजिश के तहत किया गया है। ताकि बहुत सारे लोग इतने कम समय में कागजात नहीं दे पाएंगे और नाम मतदाता सूची से काट दिया जाएगा। बहुत सारे लोग मतदान करने के वंचित रह जाएंगे। इलेक्शन कमीशन सरकार की कठपुतली बनी हुई है। लोगों की आवाज को दबाया जा रहा है। जब लोगों की आवाज सरकार तक नहीं पहुंच पाती है तो ऐसा करना पड़ता है। जीरो माइल चौक को मुजफ्फरपुर में पहले सुबह आठ बजे जाम करना शुरू कर दिया गया। इस दौरान वाहन मालिकों से नोकझोंक भी हुई।

लड़की से गैंगरेप, बोली- दोनों को भइया कहती थी

हाजीपुर। वैशाली में 14 साल की नाबालिग के साथ गैंगरेप का मामला सामने आया है। मंगलवार की देर रात बच्ची शौच के लिए घर से बाहर निकली थी। इसी दौरान गांव के दो युवक उसे उठा ले गए और बारी-बारी से उसके साथ रेप किया। बच्ची की चीख सुनकर पिता मौके पर पहुंचे और दोनों आरोपियों को बेटी के साथ गंदा काम करते देखा। पिता ने जब आरोपियों को पकड़ने की कोशिश की तो एक आरोपी ने अपने दादा को फोन कर बुला लिया। चौकीदार दादा ने पीड़िता के पिता से मारपीट की और दोनों आरोपियों को भगा दिया। पिता ने बुधवार की सुबह

बिदुपुर थाने में शिकायत दर्ज करवाई है। पीड़िता के पिता ने बताया कि, मंगलवार की रात मैं घर के बाहर सो रहा था। इसी दौरान मुझे आभास हुआ कि घर के बाहर कोई सो है। मैं उठकर बाहर गया तो युवक जा चुके थे। इसके बाद घर के अंदर के आकर देखा तो मेरी बेटी नहीं ती। परेशान होकर मैं उसे ढूंढने लगा। थोड़ी दूर जाने के बाद एक घर से बेटी की चीख सुनाई दी। घर के अंदर जब मैं गया तो गांव के चौकीदार उपेंद्र पासवान का पोता सोनू कुमार (21) मेरी बेटी का मुंह पकड़े हुए था। उसका दोस्त अशोक पासवान का बेटा अविनाश कुमार (19) उसका पैर पकड़े हुए था। मेरे अंदर जाते ही अविनाश वहां से फरार हो गया। इतने में मैने सोनू को पकड़ लिया। उससे मेरी हाथापाई भी हुई। इसी बीच मैं अपनी बेटी को वहां से भागने बोला। इतने में सोनू ने कमरे में जाकर दादा को फोन कर बुला लिया। पीड़िता के पिता ने बताया कि, चौकीदार वहां पहुंचने के बाद हल्ला करने लगे। गुस्से में वो घर में घुसा और मुझसे ही उलझ गए। उन्होंने मेरे साथ मारपीट की।

दबंगों ने दलित परिवार को पीटा, महिलाओं के कपड़े फाड़े

हाजीपुर। वैशाली में मजदूरी मांगने पर एक दलित मजदूर परिवार पर दबंगों ने हमला कर दिया। छह से ज्यादा लोग घर में जबरन घुसकर महिलाओं के साथ मारपीट और छेड़खानी की। घटना सोमवार 8 जुलाई की है। पीड़ित अमन कुमार ने मंगलवार रात थाने में आवेदन देकर छह लोगों के खिलाफ FIR दर्ज कराया है। घटना बिदुपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत रहिमापुर गांव की है। पीड़ित अमन कुमार का कहना है कि वह गांव के ही प्रेम सिंह और अशोक सिंह के आम बगीचे में मजदूरी करता है। उसने प्रेम सिंह से 6000 और अशोक सिंह से 12000 रुपये मजदूरी मांगी थी। पैसे देने के बजाय प्रेम सिंह ने जातिसूचक गालियां दीं। इतना ही

नहीं लाठी से पीटा और धारदार हथियार से जान लेने की कोशिश की। किसी तरह जान बचाकर अमन अपने घर भागा थोड़ी देर बाद प्रेम सिंह, सहित 6 लोग हथियारों के साथ उसके दरवाजे पर पहुंचे और पूरे परिवार पर हमला बोल दिया। अमन को बुरी तरह पीटा गया। बीच बचाव करने आई अमन की बहन रागनी कुमारी और चाची पिंकी देवी को भी पीटा गया। आरोप है कि पप्पू और राहुल ने रागनी के साथ छेड़खानी की और उसके कपड़े फाड़ दिए।

चारा घोटाला में लालू यादव की सजा बढ़ाने की मांग

एजेंसी, पटना

❐ सीबीआई की याचिका झारखंड हाईकोर्ट में मंजूर, आरजेडी सुप्रीमो को 3.5 साल की हुई थी सजा

चारा घोटाले से जुड़े एक मामले में झारखंड हाईकोर्ट में CBI ने उनकी सजा बढ़ाने की मांग की है। इसको लेकर जांच एजेंसी ने कोर्ट में याचिका दायर की थी। बुधवार को सुनवाई के बाद CBI की याचिका को कोर्ट ने स्वीकार कर लिया है। जस्टिस रंगन मुखोपाध्याय और जस्टिस अंबुज नाथ की खंडपीठ ने CBI की याचिका को सुनवाई के लिए स्वीकार किया है। CBI की तरफ से लालू प्रसाद यादव, बेक जूलियस और सुधीर कुमार भट्टाचार्य की सजा को बढ़ाए जाने की मांग की गई है। इससे पहले निचली अदालत ने इन लोगों को साढ़े तीन साल की सजा सुनाई थी। CBI इस मामले में अधिकतम सजा की मांग कर रही है। यह मामला देवघर कोषागार से अवैध निकासी से जुड़ा है।

अप्रैल में CBI ने दाखिल की थी याचिका: अप्रैल महीने में चारा घोटाले में लालू यादव की सजा बढ़ाने के लिए CBI ने झारखंड हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी। याचिका स्वीकार करते हुए इस मामले में कोर्ट ने अगली सुनवाई तीन महीने बाद करने के लिए कहा था। CBI की तरफ से दलील दी गई कि, देवघर ट्रेजरी घोटाला मामले में CBI की ओर से दायर आरसी 64 a96 मामले में पूर्व लोक लेखा समिति के अध्यक्ष जगदीश शर्मा को सात साल की सजा और 10 लाख रुपए का जुर्माना CBI की विशेष अदालत ने लगाया था। लालू प्रसाद यादव और अन्य आरोपियों को साढ़े तीन-साढ़े तीन साल की सजा और 5-5 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया था। CBI की विशेष अदालत के आदेश के खिलाफ सीबीआई की ओर से झारखंड हाईकोर्ट में अपील दाखिल की गई है, जिस पर आज सुनवाई के बाद खंडपीठ ने उसे मंजूर कर लिया। अब इस मामले की विस्तृत सुनवाई होगी।

डोरंडा ट्रेजरी मामले में हुई थी सजा: लालू प्रसाद यादव के खिलाफ डोरंडा ट्रेजरी से अवैध रूप से 139 करोड़ रुपए की अवैध निकासी का मामला दर्ज हुआ था। चारा घोटाला मामले में ये अकेला मामला नहीं है, इससे पहले भी इसी घोटाले से संबंधित अन्य मामलों में लालू यादव को सजा सुनाई जा चुकी है। इसमें झारखंड के देवघर, दुमका, चाईबासा और डोरंडा ट्रेजरी से अवैध निकासी के मामले शामिल हैं। लालू यादव को 27 साल की सजा पहले ही सुनाई जा चुकी है। वह जेल भी गए। हालांकि, खराब सेहत के चलते उन्हें कोर्ट ने जमानत दे दी थी।

वोटर वेरिफिकेशन के विरोध में महागठबंधन का बिहार बंद

7 शहरों में ट्रेनें रोकीं, 12 नेशनल हाईवे जाम, ईसी ऑफिस नहीं पहुंच सके राहुल-तेजस्वी

एजेंसी, पटना

बिहार में बुधवार को महागठबंधन ने चुनाव आयोग के वोटर वेरिफिकेशन के विरोध में बंद का आह्वान किया। इस दौरान 7 शहरों में ट्रेनें रोकीं गईं और 12 नेशनल हाईवे जाम किए गए। कांग्रेस नेता राहुल गांधी भी वरिोध में शामिल होने के लिए दिल्ली से पटना पहुंचे और यहां विरोध रैली में शामिल हुए। उनके साथ तेजस्वी यादव और VIP प्रमुख मुकेश सहनी भी शामिल हुए। इनकम टैक्स चौराहे से राहुल गांधी, तेजस्वी यादव और दीपांकर भट्टाचार्य एक गाड़ी पर सवार होकर प्रदर्शन करते चुनाव आयोग के ऑफिस के लिए निकले। पुलिस ने सभी नेताओं को सचिवालय थाने के पास बैरिकेडिंग कर रोक दिया। उन्हें यहां से आगे जाने की परमिशन नहीं दी गई। यहीं से कार्यकर्ताओं को संबोधित करने के बाद सभी नेता लौट गए। यहां से चुनाव आयोग का ऑफिस करीब 150 मीटर दूर था।

7 जगह ट्रेनें रोकीं, 12 नेशनल हाईवे जाम किए: बिहार बंद के दौरान 12 नेशनल हाईवे जाम किए गए। समस्तीपुर, मुजफ्फरपुर, बेगूसराय, कटिहार, सुपौल, मधेपुरा, मोतिहारी, वैशाली, पटना और औरंगाबाद में लोग घंटों जाम में फंसे रहे। दरभंगा, भोजपुर, सुपौल, जहानाबाद, पटना, मुंगेर, अररिया रेलवे स्टेशन पर ट्रेनों को रोका गया।

राहुल बोले- महाराष्ट्र की तरह बिहार चुनाव में चोरी की कोशिश: राहुल गांधी ने कहा, 'चुनाव आयोग मैं आपको साफ बोल रहा हूं। मैं बिहार और हिन्दुस्तान की जनता को स्पष्ट कह रहा हूं कि महाराष्ट्र का चुनाव चोरी किया गया था और वैसे ही बिहार को चुनाव चोरी करने की कोशिश की जा रही है।

आपसी विवाद में फायरिंग 9 साल की बच्ची घायल

❐ मासूम के दाहिने कंधे में लगी बुलेट, प्राइवेट अस्पताल में चल रहा इलाज

एजेंसी, मुजफ्फरपुर

सदर थाना के पताही चौसीमा गांव में मंगलवार को आपसी विवाद में हुई गोलीबारी में 9 साल की एक बच्ची घायल हो गई है। घायल बच्ची की पहचान मोहम्मद मोकिम की बेटी माहिरा परवीन उर्फ महक के रूप में हुई है। जानकारी के मुताबिक, बच्ची के दाहिने कंध पर गोली लगी है। घटना के बाद मासूम को परिजन ने ब्रह्मपुरा में एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया है। परिजनों ने मामले में अपना बयान दर्ज नहीं कराया है। पुलिस को आज आवेदन देने की बात बताई है। महक मूल रूप से बरियापुर थाना के गनियारी की रहने वाली है, चौसीमा में मामा के घर आई थी। सदर थानेदार अस्मित कुमार ने बताया कि प्रारंभिक स्तर पर परिजनों ने बताया है कि शाम साढ़े तीन बजे बच्ची दरवाजे पर खेल रही थी। इसी दौरान कुछ लोग आए और घर वालों से विवाद होने लगा। इसमें फायरिंग हुई। गोली बच्ची के दाहिने कंधे में गोली लगी।

पुलिस की दी गई प्रारंभिक जानकारी संदिग्ध: जानकारी के बाद पुलिस घटना स्थल पर पहुंची लेकिन वहां पर खून के छींटे नहीं मिले। माना जा रहा है कि पुलिस परिजन की ओर से मिली जानकारी को संदिग्ध मान रही है और अलग-अलग एंगल पर पड़ताल कर रही है।

पटना में करंट लगने से तीन किसान झुलसे, एक की हालत गंभीर

एजेंसी, पटना

एम्स रेफर, खेत जोतने के दौरान हुआ हादसा

पटना में बिजली के तार की चपेट में आने से तीन किसान झुलस गए। घायलों में अर्जुन यादव (40), उनके बेटे नीतीश कुमार (20) और धर्मेंद्र कुमार (20) शामिल हैं। पूरा मामला जिले के पालीगंज के सिगोड़ी थाना क्षेत्र के जरखा गांव का है। घटना उस समय हुई जब अर्जुन यादव अपने बेटे नीतीश के साथ खेत में ट्रैक्टर से जुताई करने गए थे। पानी से भरे खेत में उतरते ही वो पहले से गिरे बिजली के तार के संपर्क में आ गए। उनकी चीख सुनकर मदद के लिए पहुंचे धर्मेंद्र कुमार भी करंट की चपेट में आ गए।

एक की हालत गंभीर, AIIMS रेफर: आसपास के खेतों में काम कर रहे किसानों ने दौड़कर तीनों को बिजली के तार से अलग किया। घायलों को तुरंत पालीगंज के अनुमंडल अस्पताल ले जाया गया। नीतीश कुमार की गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें पटना AIIMS रेफर कर दिया।

अर्जुन यादव और धर्मेंद्र कुमार का इलाज स्थानीय अस्पताल में चल रहा है। स्थानीय पुलिस को घटना की सूचना दे दी गई है। पुलिस टीम मौके पर पहुंचकर मामले की जांच कर रही है।

दो का इलाज जारी : डॉक्टर इधर अनुमंडल अस्पताल के डॉ. राजेश कुमार ने बताया कि जरखा गांव से तीन लोग आए थे, जो बिजली के तार की चपेट से झुलसे हुए थे, जिसमें से एक नीतीश कुमार की स्थिति काफी गंभीर है। उसे इलाज के लिए पटना एम्स रेफर किया गया है। फिलहाल दो लोगों का इलाज अस्पताल में चल रहा है।

क्या बोली पुलिस: सिगोरी थानाध्यक्ष प्रमोद कुमार शाह ने बताया कि पुलिस सूचना मिली कि जरखा गांव में खेत में काम करने के दौरान तीन लोग बिजली के तार के चपेट में आकर झुलस गए हैं, जिसमें एक की स्थिति काफी गंभीर है। उसे पटना AIIMS रेफर कर दिया गया है। पुलिस आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

राहुल गांधी की गाड़ी से पप्पू यादव को धकेला

एजेंसी, पटना

♦ कन्हैया कुमार को धक्का देकर हटाया, सामने से निकल गए राहुल, लेकिन ऊपर नहीं बुलाया

वोटर वेरिफिकेशन के विरोध में बिहार में विपक्ष ने बुधवार यानी आज बंद बुलाया। कांग्रेस नेता राहुल गांधी भी विरोध में शामिल होने के लिए दिल्ली से पटना पहुंचे। राहुल गांधी एक गाड़ी पर सवार होकर प्रदर्शन करते हुए चुनाव आयोग के ऑफिस के लिए निकले। उनके साथ तेजस्वी यादव, मुकेश सहनी सहित अन्य नेता मौजूद थे। इसी दौरान पूर्णिया सांसद पप्पू यादव भी गाड़ी पर चढ़ने की कोशिश करने लगे, लेकिन सुरक्षा कर्मियों ने उन्हें धक्का देकर गाड़ी से उतार दिया। कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार ने भी गाड़ी पर चढ़ने की कोशिश की तो राहुल के सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें भी नीचे उतार दिया। इसके बाद वे गाड़ी के पीछे-पीछे पैदल ही चलने लगे। कन्हैया कुमार से बात करने की कोशिश की तो उन्होंने कहा, 'प्रदर्शन खत्म होने दीजिए, फिर बात करेंगे।'

गाड़ी के पीछे-पीछे पैदल चलते रहे कन्हैया: कन्हैया को राहुल की गाड़ी से उतारने का वीडियो भी सामने आया है। वीडियो में दिख रहा है कि कन्हैया कुमार गाड़ी पर चढ़ने की कोशिश कर हैं, लेकिन सुरक्षाकर्मी उन्हें गाड़ी से नीचे उतार रहे हैं और मंच के पास जाने से रोक रहे हैं। सुरक्षाकर्मियों के रोकने के बाद वे गाड़ी से उतर जाते हैं और फिर भीड़ के साथ ही चलने लगते हैं।

JDU बोली- कन्हैया के बहाने तेजस्वी को मैसेज दिया: JDU प्रवक्ता अभिषेक झा ने कहा- 'कांग्रेस पार्टी में युवाओं के लिए कितनी जगह है वो साफ दिख रहा है। हो सकता है राहुल गांधी, तेजस्वी को स्ट्रॉन्ग मैसेज देना चाहते हो कि हम जिसको गाड़ी पर चढ़ने नहीं देते हैं उसको आगे क्या बढ़ने देंगे।'

वोटर वेरिफिकेशन के विरोध में महागठबंधन का बिहार बंद: बिहार में बुधवार को महागठबंधन ने चुनाव आयोग के वोटर वेरिफिकेशन के विरोध में बंद का आह्वान किया। कांग्रेस नेता और लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी भी प्रोटेस्ट में शामिल हुए। कई शहरों में बिहार बंद का असर दिख रहा है। पटना के इनकम टैक्स गोलंबर के पास कई कांग्रेसी कार्यकर्ता सड़क पर लेट गए। भोजपुर, जहानाबाद, दरभंगा समेत 6 शहरों में ट्रेनें रोकीं गईं।

पटना में इंडिगो फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग

❐ दिल्ली जाते समय पक्षी टकराया, 169 पैसेंजर्स सवार थे

एजेंसी, पटना

पटना में इंडिगो की फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग हुई है। IG-05009 फ्लाइट ने दिल्ली के लिए उड़ान भरी थी तभी इससे पक्षी टकराया। यह जानकारी एयरपोर्ट अथॉरिटी ने दी है। विमान में कुल 169 यात्री सवार थे। फिलहाल तकनीकी टीम विमान की मरम्मत में जुटी हुई है। पटना एयरपोर्ट अथॉरिटी के मुताबिक, पटना से दिल्ली आने वाली फ्लाइट संख्या IG-05009 अपने समय से 8.42 बजे उड़ान भरी, लेकिन टेकऑफ के तुरंत बाद एक पक्षी विमान से टकरा गया। विमान के एक इंजन में वाइब्रेशन की वजह से एयरक्राफ्ट को वापस लौटना पड़ा। जांच के दौरान रनवे से मरे हुए पक्षी के अवशेष भी मिले हैं।

8 जुलाई को पटना में एअर इंडिया के विमान की इमरजेंसी लैंडिंग: एक दिन पहले दिल्ली से पटना आने के बाद एअर इंडिया की फ्लाइट में तकनीकी खराबी आ गई। इस वजह से विमान अपने समय पर उड़ान नहीं भर सका। करीब 7 घंटे तक यात्री एयरपोर्ट पर ही फंसे रहे। विमान के समय पर टेकऑफ नहीं करने से यात्रियों ने हंगामा शुरू कर दिया। फ्लाइट के टेकऑफ का समय सुबह 10:40 था। करीब साढ़े 6 घंटे बाद विमान को ठीक किया गया। शाम 6 बजे विमान ने उड़ान भरी। कई यात्रियों को दूसरी फ्लाइट से भी दिल्ली भेजा गया।

1.8 किलो के पक्षी का प्लेन से टकराना बंदूक की गोली से भी ज्यादा खतरनाक: जब कोई पक्षी उड़ते हुए विमान से टकराता है, तो उसे 'बर्ड स्ट्राइक' या 'बर्ड हिट' कहा जाता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक 1.8 किलो का एक पक्षी जब किसी तेज रफ्तार विमान से टकराता है तो 3,50,000 न्यूटन फोर्स पैदा होता है। इसे ऐसे समझें कि 0.365 मीटर की नली वाली बंदूक से जब 700m/s की रफ्तार से एक 40 ग्राम का बुलेट फायर होता है तो इससे 2,684 न्यूटन फोर्स पैदा होता है। यहां न्यूटन, फोर्स का यूनिट है। यह विज्ञान की भाषा हुई। अब इसे आसान भाषा में समझें तो 1.8 किलो का एक पक्षी जब विमान से टकराता है तो इसका फोर्स एक बुलेट की तुलना में करीब 130 गुना ज्यादा होता है। ABC साइंस की रिपोर्ट के मुताबिक 5 किलो के एक पक्षी का 275 किमी/घंटा के रफ्तार से किसी विमान से टकराना वैसा ही है जैसे 100 किलो भार के किसी बैग के 15 मीटर ऊपर से जमीन पर गिरना। हालांकि, विमान को 'बर्ड हिट' से बचाने के लिए सावधानियां बरती जाती हैं, लेकिन जब प्लेन के टर्बाइन से टकराकर पक्षी विमान के इंजन में फंसता है तो इससे हादसे का खतरा बढ़ जाता है। 'बर्ड हिट' के ज्यादातर मामलों में पक्षी किसी प्लेन के सामने से या किनारे से टकराता है। इस दौरान प्लेन के विंग से पक्षियों के टकराने की आशंका ज्यादा होती है।

सांसद संजय जायसवाल का तेजस्वी-राहुल पर तंज

एजेंसी, पटना

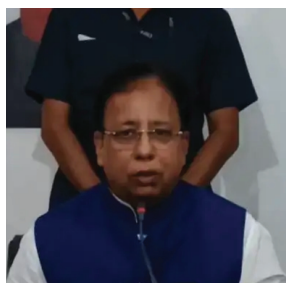

♦ कहा- 2 युवराज का चक्का जाम जनता की समझ से बाहर, मैरिज सर्टिफिकेट दें, पत्नी का नाम वोटर लिस्ट में जुड़ जाएगा

महागठबंधन द्वारा आज बिहार बंद के आह्वान के बाद बीजेपी सांसद डॉ. संजय जायसवाल ने भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रेस कांफ्रेंस कर विपक्ष पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि यह आंदोलन केवल वोटर लिस्ट रिवीजन के नाम पर जनता को भ्रमित करने और कोर्ट पर दबाव बनाने की एक राजनीतिक साजिश है।

इलेक्शन कमीशन के खिलाफ साजिश का आरोप: संजय जायसवाल ने आगे कहा कि पिछले 10 दिनों से महागठबंधन चुनाव आयोग के खिलाफ अभियान चला रहा है। उन्होंने दावा किया कि "7 करोड़ 90 लाख वोटरों में से 7 करोड़ लोगों के फॉर्म पहले ही जमा हो चुके हैं और 47 प्रतिशत फॉर्म वापस भी जमा कर दिए गए हैं।" ऐसे में यह आंदोलन समझ से परे है। राहुल गांधी और तेजस्वी यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि दो युवराजों ने चक्का जाम किया, लेकिन जनता को समझ नहीं आया कि आखिर इसका मकसद क्या था। एक व्यक्ति संविधान हाथ में लेकर घूमता है, लेकिन जब सुप्रीम कोर्ट में पहले ही सुनवाई तय है, तो आंदोलन कर अदालत को धमकाने की जरूरत क्या है? महागठबंधन की हार तय है, इसलिए राहुल गांधी सिर्फ हाथ हिलाने आए और चले गए। अब नाटक करके जनता को गुमराह किया जा रहा है।

"विवाह प्रमाणपत्र दें, पत्नी का नाम जोड़ दिया जाएगा": तेजस्वी यादव पर तंज कसते हुए जायसवाल ने कहा कि अगर वह अपने माता-पिता का वोटर कार्ड और अपना मैरिज सर्टिफिकेट दे दें, तो उनकी पत्नी का नाम भी वोटर लिस्ट में जुड़ जाएगा। इसके लिए सड़क जाम की जरूरत नहीं है।

आधार-वोटर कार्ड लिंकिंग पर कांग्रेस और TMC का दोहरापन: उन्होंने कांग्रेस नेताओं अधीर रंजन चौधरी और मनीष तिवारी के बयानों का हवाला देते हुए कहा कि इन्हीं नेताओं ने संसद में आधार को वोटर लिस्ट से जोड़ने का विरोध किया था। उन्होंने तृणमूल कांग्रेस की नेता महुआ मोइत्रा पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वह इसलिए इसका विरोध कर रही हैं क्योंकि अगर बिहार में रोहिंग्या और बांग्लादेशी हटाए गए, तो बंगाल में उनका वोट बैंक खत्म हो जाएगा। संजय जायसवाल ने आगे कहा कि तेजस्वी यादव के करीबी रिश्तेदार राम गोपाल यादव ने भी राज्यसभा में आधार को वोटर लिस्ट से जोड़ने का विरोध किया था।

संक्षिप्त समाचार

वोटर लिस्ट पुनरीक्षण के विरोध में AIMIM ने किया चक्का जाम, डॉ. शमीमुल हक ने कहा – यह जनता के हक की लड़ाई है

बीएनएम। मोतिहारी। 9 जुलाई को मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के विरोध में AIMIM द्वारा आयोजित चक्का जाम आंदोलन में बिहार प्रदेश सचिव व नरकटिया विधानसभा प्रत्याशी डॉ. मोहम्मद शमीमुल हक ने भाग लिया। उन्होंने सैकड़ों समर्थकों के साथ सड़क पर उतरकर सरकार की नीतियों के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। डॉ. हक ने कहा कि यह चक्का जाम किसी राजनीतिक नाटक का हिस्सा नहीं, बल्कि जनता के संवैधानिक हक और अधिकारों की आवाज है। उन्होंने केंद्र सरकार पर चोर दरवाजे से NRC लागू करने का आरोप लगाया और कहा कि देश में महंगाई, बेरोजगारी, किसान संकट और सरकारी तानाशाही चरम पर है। उन्होंने कहा कि AIMIM हमेशा से मजलूमों, किसानों, मजदूरों और युवाओं की आवाज रही है और जब तक सरकार समस्याओं का समाधान नहीं करती, संघर्ष जारी रहेगा। डॉ. हक ने आंदोलन में शांतिपूर्ण भागीदारी के लिए आम नागरिकों और कार्यकर्ताओं का आभार जताया। वहीं, AIMIM के छौड़दानो प्रखंड अध्यक्ष के नेतृत्व में पारसा पठान पट्टी में भी चक्का जाम किया गया।

शराब पीकर हंगामा कर रहे तीन शराबी गिरफ्तार, भेजे गए जेल

बीएनएम। तुरकौलिया। पुलिस ने अलग-अलग जगहों पर छापेमारी कर तीन शराबियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों में संग्रामपुर थाना क्षेत्र के घुसियार गांव निवासी सुन्दर कुमार पाण्डेय, जयसिंहपुर मोचहा के बिगु राम और हीरा यादव शामिल हैं। जानकारी के अनुसार, पुलिस को सूचना मिली थी कि महानवा बाजार में दो व्यक्ति शराब पीकर हंगामा कर रहे हैं। सूचना पर एएसआई विश्वजीत कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस को देखते ही दोनों युवक भागने लगे, लेकिन पीछा कर उन्हें पकड़ लिया गया। ब्रेथ एनालाइजर जांच में उनके शराब के नशे में होने की पुष्टि हुई। वहीं, सेमरा में एक अन्य युवक ने शराब के नशे में पुलिस पदाधिकारी से बदसलूकी की, जिसे मौके से गिरफ्तार कर लिया गया। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि तीनों आरोपियों के विरुद्ध आवश्यक कानूनी कार्रवाई करते हुए उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

मशाल खेल प्रतियोगिता में खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन, दर्शकों ने तालियों से बढ़ाया हौसला

बीएनएम। तुरकौलिया। राजा राम हाई स्कूल में आयोजित मशाल खेल प्रतियोगिता के अंतिम दिन खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। दौड़, लॉन्ग जंप और साइकिलिंग जैसी विभिन्न स्पर्धाओं में छात्रों ने दमखम दिखाया। 60 व 100 मीटर दौड़ की अंडर-14 और अंडर-16 श्रेणियों में सोनू कुमार, रीना कुमारी, अतीकुर्रहमान, नंदनी कुमारी समेत कई प्रतिभागियों ने प्रथम स्थान हासिल किया। 600 व 800 मीटर दौड़ में आदित्य, सानिया आफरीन, अक्षय कुमार और प्रीति कुमारी ने बाजी मारी। लॉन्ग जंप में रिंशु कुमारी, हरविंदर कुमार, आशीष कुमार व काजल कुमारी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। साइकिलिंग प्रतियोगिता में करण कुमार और जुली कुमारी विजेता रहीं। प्रतियोगिता के दौरान दर्शकों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

बारिश की दगाबाजी से खेती पर गहराया संकट

बीएनएम। मोतिहारी

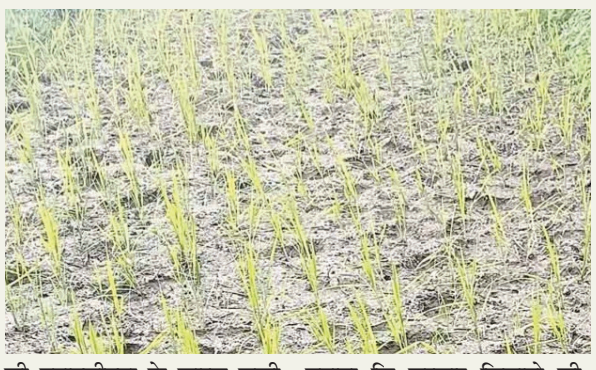

आषाढ के महीने में मानसून की बेरूखी ने जिले में खेती पर संकट गहरा गया है।जून में बारिश नही होने के बाद जुलाई के प्रथम सप्ताह में भी बारिश नही होने से खेतो में धूल उड़ रहे वही बांगर(काली) मिट्टी वाले खेत तो मानो पककर पत्थर की भांति हो गये है।सूखी नहरे और बंद पड़ी सारी सरकारी नलकूपो वाले पूर्वी चंपारण जिला में भारी मशक्कत के बाद पांच से दस प्रतिशत जिन किसानो ने अपनी खेतो में धान की रोपनी कराये है,उन खेतो में बारिश नही होने के कारण दरारे पड़ने लगी है। जिला कृषि विभाग की माने तो इस साल जिले में 1.87 लाख हेक्टेयर में धान आच्छादित करने का लक्ष्य निर्धारित है।लेकिन सबसे बड़ी बात तो यह है,कि जिला के ज्यादातर प्रखंडो के कृषि योग्य भूमि असिंचित है।सिंचाई विभाग के द्धारा जिन नहरो को निकाला गया है,वह गंडक विभाग की उदानसीनता के कारण सूखी है,कई ऐसे नहरे है,जिसकी खुदाई के बाद पानी मयस्सर ही नही हो सका। वही लघु सिंचाई विभाग की लापरवाही से जिले में लगी करीब दो सौ से ज्यादा सरकारी नलकूप बंद पड़ी है।लिहाजा बारिश के भरोसे हो रहे खेती मॉनसून की दगाबाजी की भेट चढता नजर आ रहा है।नतीजतन मायूस किसानो में बेचैनी दिखने लगे हैं। जिले के आदापुर,रक्सौल रामगढवा,सुगौली व बंजरिया समेत कई प्रखंडो के किसानो ने बातचीत के दौरान बताया कि सरकार किसानो की आमदनी दुगूनी करने की बात करती है,लेकिन यहां तो खेती पर लागत बढती ही जा रही है।सिंचाई की व्यवस्था नही होने और विधुत विभाग के द्धारा कृषि फीडर बनाने में ढीला रवैया ने धान की खेती पर लागत बढा दी है।किसानो ने बताया धान की खेती पर प्रति एकड़ चार हजार खर्च हो रहे है,बारिश नही होने पर उसको बचाने में प्रति एकड़ दो से तीन हजार अतिरिक्त खर्च करने पड़ रहे है।कुछ किसानो ने बताया धान का बिचड़ा रोपाई के लिए परिपक्व हो गया है,लेकिन रोपनी करने में डर लग रहा है,क्योकी अगर बारिश नही हुआ तो यह खर्च बेकार हो जायेगा।कमोबेश यही स्थिति उन गन्ना किसानो का है।जिनका गन्ना सिंचाई के अभाव और बारिश के नही होने के कारण सूखने लगे है। यहां बता दे कि जिले में जून माह में 181.10 मिलीमीटर औसत वर्षापात की तुलना में मात्र 36 प्रतिशत वर्षापात रिकॉर्ड किया गया। जून में औसत वर्षापात की तुलना में 64 प्रतिशत कम बारिश हुई है। जुलाई में औसत वर्षापात 366 मिलीमीटर होने चाहिए। लेकिन माह के आठ दिन बीतने के बावजूद बारिश नही के बराबर हुई है। भीषण गर्मी और आसमान से सूरज की तपती किरणो से जिला में सूखे जैसी हालात बनते नजर आ रहे है।जिसको देखते हुए जिला कृषि पदाधिकारी मनीष कुमार सिंह ने भी चिंता जताते कहा कि जिले में बारिश की कमी से खरीफ फसलो पर व्यापक असर पड़ता नजर आ रहा है।जिले में सिंचाई साधन की कमी है,जिस कारण किसान निजी पम्प सेट के सहारे खेती करने को विवश है। सरकार से सहायता राशि आवंटित होने पर किसानों को मुहैया कराया जाएगा।

13 जुलाई को चंपारण सत्याग्रह स्थलों का भ्रमण करेंगे तुषार गांधी और गांधीवादी विचारक

बीएनएम। मोतिहारी

महात्मा गांधी के पौत्र तुषार गांधी 13 जुलाई को चंपारण सत्याग्रह से जुड़े ऐतिहासिक स्थलों का दौरा करेंगे। उनके साथ समाजवादी चिंतक डॉ. सुनीलम, विजय प्रताप, गुड्डी, प्रवीर पीटर (झारखंड) और मुजाहिद नफीस (गुजरात) भी रहेंगे। इस कार्यक्रम को लेकर गांधी संग्रहालय में एक बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता संग्रहालय सचिव विनय कुमार सिंह और संचालन दिग्विजय कुमार ने किया। बैठक में महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रोफेसर मृत्युंजय यादवेंदु ने यात्रा की रूपरेखा साझा की। कार्यक्रम के अनुसार, 13 जुलाई को सुबह 10 बजे तुरकौलिया में नीम का पौधारोपण, 1 बजे जसौली पट्टी में स्वतंत्रता सेनानी लोमराज सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण और ग्रामसभा को संबोधन होगा। 4 बजे मोतिहारी रेलवे स्टेशन पर गांधी प्रतिमा पर पुष्पांजलि, 4:15 बजे जिला परिषद परिसर का भ्रमण और 4:30 बजे गांधी संग्रहालय स्थित स्मृति स्तंभ पर श्रद्धांजलि दी जाएगी। संध्या 5 बजे महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय में प्रेस वार्ता और "सत्य, अहिंसा एवं विश्व शांति" विषय पर व्याख्यान होगा। समापन चंदरहिया स्मारक पर किया जाएगा, जहां 1917 में गांधीजी को चंपारण छोड़ने का नोटिस मिला था। बैठक में डॉ. संतोष कुमार, अमिता निधि, रंजित गिरि, शिवानंदन राय, राजगुरु और नवनीत गिरि ने भी विचार साझा किए।

पीएम उषा योजना के सफल क्रियान्वयन के लिए महाविद्यालयों के प्राचार्यों की हुई बैठक

बीएनएम। मोतिहारी

शहर के लक्ष्मी नारायण दुबे महाविद्यालय में बुधवार को स्वामी विवेकानंद सभागार में पीएम उषा योजना के सफल क्रियान्वयन हेतु बैठक में जिले के अंगीभूत एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों के प्राचार्य और नामित प्राध्यापकों ने भाग लिया। महाविद्यालय प्राचार्य प्रो.(डॉ.) राजेश कुमार सिन्हा ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि आपलोगों से प्राप्त सुझाव के आधार पर आगे के प्रशिक्षण कार्यक्रम का रूपरेखा तैयार किया जाएगा। जेएलएनएम कॉलेज, घोड़ासहन के नामित प्राध्यापक डॉ. एन.के दास ने बताया कि आगामी दिनों में संचालित होने वाली विभिन्न कोर्स में सुदूर ग्रामीण इलाकों के विद्यार्थियों के आवागमन सुविधा का ख्याल रखना होगा। श्रीकृष्ण सिन्हा महिला महाविद्यालय से प्रतिभागी प्राध्यापिका डॉ. नीतू कुमारी ने अपना सुझाव देते हुए कहा कि विद्यार्थियों से ज्यादा से ज्यादा जुड़ाव बनाने के लिए प्रोत्साहन योजनाओं को अपनाने की जरूरत है। एसएनएस महाविद्यालय से प्रतिभाग कर रहे डॉ. मिंकेश चौधरी ने कहा कि बच्चों में मानसिक तनाव को कम करने के लिए मनोवैज्ञानिक ट्रेनिंग प्रोग्राम चलाने की आवश्यकता है। आइक्यूएसी संयोजक डॉ. दुर्वादल भट्टाचार्य ने पीएम उषा योजना में निहित विभिन्न बारीकियों से अवगत कराया। मंच संचालन डॉ. रविरंजन सिंह ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन प्रो. अरविंद कुमार ने किया। इस मौके पर डॉ. बीके राम, डॉ. दुर्गेश मणि तिवारी, प्रो. राकेश रंजन कुमार, डॉ. जौवाद हुसैन, डॉ. दीपक कुमार, डॉ. के के कृष्णा, डॉ. प्रभाकर कुमार, डॉ. अनिता कुमारी, डॉ. कविता कुमारी, डॉ. बबीता कुमारी आदि उपस्थित रहे।

कड़ी सुरक्षा के बीच शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न हुआ मुरारपुर पंचायत उपचुनाव, 65% हुआ मतदान

बीएनएम। हरसिद्धि/मोतिहारी

मुरारपुर पंचायत में मंगलवार को संपन्न हुआ उपचुनाव शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न हो गया। सुबह 7 बजे से शुरू होकर शाम 5 बजे तक चले मतदान में मतदाताओं की अच्छी खासी भागीदारी देखी गई। कुल 65 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। छह प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला अब मतपेटियों में बंद हो चुका है, जिसकी गिनती शुक्रवार को प्रखंड मुख्यालय परिसर में की जाएगी। चुनाव को निष्पक्ष और शांतिपूर्ण बनाने के लिए प्रशासन ने चप्पे-चप्पे पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की थी। हरसिद्धि थानाध्यक्ष सर्वेंद्र कुमार सिंह के नेतृत्व में सभी मतदान केंद्रों पर पर्याप्त संख्या में पुलिस बल तैनात था। संवेदनशीलता को देखते हुए रिजर्व फोर्स को भी अलर्ट मोड पर रखा गया था। चुनाव के दिन अनुमंडल पदाधिकारी अरुण कुमार तिवारी और डीएसपी रंजन कुमार खुद क्षेत्र का दौरा करते नजर आए। उन्होंने कई मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर मतदानकर्मियों से पूरी प्रक्रिया की जानकारी ली। मतदाताओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए प्रशासनिक टीम लगातार निगरानी करती रही। प्रखंड निर्वाची पदाधिकारी मनोज कुमार ने बताया कि सभी मतदान केंद्रों को अतिसंवेदनशील मानते हुए विशेष सुरक्षा इंतजाम किए गए थे। तेरह बूथों पर तेरह दंडाधिकारियों की तैनाती की गई थी। पूरे मतदान प्रक्रिया के दौरान कोई अप्रिय घटना नहीं हुई। महिला और वृद्ध मतदाताओं की भी उत्साहजनक भागीदारी रही। सभी प्रत्याशियों ने चुनाव प्रक्रिया में सहयोग करते हुए शांतिपूर्ण मतदान में योगदान दिया। अब सभी की निगाहें शुक्रवार को होने वाली मतगणना पर टिकी हैं, जब यह तय होगा कि मुरारपुर पंचायत की बागडोर किसके हाथ में जाएगी।

एलएनडी कॉलेज में आज से होगी स्नातक द्वितीय सेमेस्टर की आंतरिक मूल्यांकन

बीएनएम। मोतिहारी

शहर के एलएनडी कॉलेज में सत्र 2024-28 के द्वितीय सेमेस्टर का आंतरिक मूल्यांकन (मिड टर्म एग्जाम) आज 10 जुलाई से लेकर आगामी 15 जुलाई तक प्रतिदिन प्रातः10 बजे से चार सीटिंग में आयोजित होगा। महाविद्यालय प्राचार्य प्रो. (डॉ.) राजेश कुमार सिन्हा के हवाले से परीक्षा नियंत्रक डॉ. कुमार राकेश रंजन ने बताया कि 10 जुलाई को सभी मेजर पेपर,11 जुलाई को सभी विषयों के माइनर पेपर, 12 जुलाई को सभी एमडीसी पेपर,13 जुलाई को पर्सनालिटी डेवलेपमेंट एंड कम्युनिकेशन,14 जुलाई को भीएसी- 2, 15 जुलाई को एईसी-2 एनवायरनमेंटल साइंस की परीक्षा होगी। महाविद्यालय मीडिया प्रभारी डॉ. प्रभाकर कुमार ने बताया कि मिड टर्म एग्जाम का समय सारिणी सभी विषय समूहों में प्रेषित कर दिया गया है। विद्यार्थियों को अपने साथ सेमेस्टर 2 का नामांकन रसीद, सेमेस्टर 1 का प्रवेश पत्र एवं आधार कार्ड लाना अनिवार्य होगा।

मतदाता पुनरीक्षण में अनियमितता के विरोध में राजद का सड़क जाम, पूर्व विधायक राजेन्द्र राम ने की अगुवाई

बीएनएम। हरसिद्धि/ मोतिहारी

मतदाता सूची पुनरीक्षण में अनियमितता के खिलाफ राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने बुधवार को छपवा-हरसिद्धि मुख्य सड़क को पूरी तरह जाम कर दिया। जोरदार प्रदर्शन के कारण क्षेत्र में यातायात व्यवस्था घंटों ठप रही, जिससे आमजन को भारी परेशानी उठानी पड़ी। इस विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व राजद के पूर्व विधायक राजेन्द्र राम, पूर्व विधानसभा प्रत्याशी नागेन्द्र राम, जिला परिषद सदस्य राजेन्द्र यादव सहित पार्टी के प्रदेश एवं जिला स्तरीय नेताओं ने किया। प्रदर्शन में राजद के सहयोगी दलों के कार्यकर्ता भी शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि केंद्र सरकार द्वारा संचालित विशेष मतदाता पुनरीक्षण अभियान में गंभीर अनियमितताएं हो रही हैं। उनके अनुसार, कई योग्य मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं, जबकि कई फर्जी नाम जोड़े जा रहे हैं। इसी के विरोध में सड़क जाम कर प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन के दौरान राजद नेताओं ने सरकार और निर्वाचन आयोग के खिलाफ जमकर नारेबाज़ी की। पूर्व विधायक राजेन्द्र राम ने चेतावनी दी कि यदि मतदाता पुनरीक्षण की वर्तमान प्रक्रिया को वापस नहीं लिया गया, तो आंदोलन और अधिक उग्र रूप लेगा। करीब तीन घंटे तक सड़क जाम रहने के कारण स्कूली बच्चों, मरीजों और दूरदराज से आने-जाने वाले यात्रियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। यातायात पूरी तरह ठप रहा।

राज्यसभा सांसद डॉ. अखिलेश प्रसाद सिंह की कोर्ट में पेशी के एक दिन बाद बंदी, मोतिहारी में भारत बंद रहा पूरी तरह सफल

बीएनएम। मोतिहारी

बुधवार को भारत बंद का असर मोतिहारी में अभूतपूर्व रूप से देखने को मिला। बाजार बंद, सड़कें सूनी और आम जनजीवन ठहर-सा गया। इस बंदी को लेकर ज़िले भर में विशेष चर्चा का विषय बना रहा मंगलवार का दिन, जब कांग्रेस के वरिष्ठ नेता, पूर्व केंद्रीय मंत्री और वर्तमान राज्यसभा सांसद डॉ. अखिलेश प्रसाद सिंह मोतिहारी कोर्ट में पेशी के लिए पहुंचे। उनका आगमन न केवल राजनीतिक बल्कि सामाजिक और न्यायिक दृष्टिकोण से भी अत्यंत महत्वपूर्ण रहा। डॉ. सिंह अधिवक्ता भवन भी पहुँचे, जहाँ उन्होंने अधिवक्ताओं के साथ बैठक की, उन्हें सम्मानित किया और स्वयं अधिवक्ताओं के सम्मान को भी सहर्ष स्वीकार किया। जिला बार एसोसिएशन के महासचिव, प्रख्यात अधिवक्ता और राजद नेता राजीव कुमार द्विवेदी उर्फ पप्पू दुबे ने न केवल उनका विधिक पक्ष न्यायालय में रखा, बल्कि पूरे घटनाक्रम को अधिवक्ताओं के बीच बेहद संगठित ढंग से संचालित किया। उनके नेतृत्व में डॉ. सिंह को अधिवक्ताओं ने पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया, उन्हें बैठने हेतु मंचस्थ किया गया, और फिर अधिवक्ता समुदाय को संबोधित करते हुए सांसद महोदय ने न्यायपालिका के सम्मान और संविधान की मर्यादा पर प्रकाश डाला। महासचिव पप्पू दुबे ने इस मौके को अवसर में बदलते हुए महागठबंधन के विभिन्न पार्टियों से जुड़े दर्जनों अधिवक्ताओं को संगठित किया और ज़मीनी स्तर पर आंदोलन की धार को तेज किया। राजनैतिक पंडितों के द्वारा बताया जा रहा है कि अधिवक्ताओं के माध्यम से समाज में भी बंदी का नैतिक प्रभाव पड़ा और महागठबंधन के विभिन्न पार्टियों से जुड़े कई अधिवक्ताओं द्वारा इस व्यापक सक्रियता, रणनीतिक संगठन और सांसद की प्रभावी उपस्थिति का ही परिणाम रहा कि मोतिहारी में भारत बंद सर्वाधिक प्रभावशाली और सफल रहा, जिसकी गूंज पूरे ज़िले में सुनाई दी।

संक्षिप्त समाचार

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का 77वां स्थापना दिवस मनाया गया

जमुई में आयोजित समारोह में शामिल एबीवीपी कार्यकर्ता

बीएनएम। जमुई। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के 77वें स्थापना दिवस के अवसर पर मंगलवार को के.के.एम. कॉलेज परिसर में एबीवीपी जमुई नगर इकाई के कार्यकर्ताओं द्वारा स्थापना दिवस समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत नगर उपाध्यक्ष अभिषेक दुबे और नगर मंत्री अभिनय दुबे द्वारा ध्वजारोहण कर की गई। इसके बाद कॉलेज परिसर में उपस्थित छात्र-छात्राओं को एबीवीपी के इतिहास, उद्देश्य और छात्रहित में संगठन की भूमिका के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई।इस अवसर पर जिला संयोजक अखिलेश कुमार सिंह और कार्यकर्ता मिथुन कुमार ने संगठन की गतिविधियों और छात्र आंदोलनों में इसकी भागीदारी पर प्रकाश डाला।कार्यक्रम में प्रमुख रूप से छात्र नेता शांतनु सिंह, संकेत कुमार, सीपू परिहार, राजा परिहार, सत्यम सोलंकी, अनुज आर्यन, अमित, राजा, सत्यम, गोलू कुमार, प्रवेश, टिंकू सर, शुभम कुमार, राकेश मालाकार, अजित सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मशाल खेल प्रतियोगिता का आयोजन

बीएनएम। योगापट्टी : मशाल बिहार प्रतिभा खेल 2024 के तहत आज दिन मंगलवार को ग्यारह बजे से योगापट्टी प्रखंड परिसर मे खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया | इस खेल प्रतियोगिता मे प्रखंड क्षेत्र के सिसवा बैरागी, दोनवर, फतेहपुर, कवलापुर, मिश्रोली, चौमुखा, और चमैनिया बासौपट्टी आदि प्रखंड क्षेत्र के विद्यालयों के छात्र छात्राओं ने भाग लिया | इस मशाल बिहार प्रतिभा खेल प्रतियोगिता का आयोजन प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी रूपलाल मंडल की अध्यक्षता मे किया गया | प्रखंड क्षेत्र के सभी विद्यालयों के शारीरिक शिक्षक उपस्थित रहे | खेल प्रतियोगिता मे शारीरिक शिक्षको ने बच्चों का बखूबी साथ दिया | और प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी रुपलाल मंडल ने जानकारी देते हुए बताया कि इस खेल प्रतियोगिता से बच्चों मे खेल के प्रति रूचि बढ़ेगा और भविष्य मे यही छात्र छात्राए अपने गांव, विद्यालय और प्रखंड का खेल मे परचम लहराएंगे | विजयी हुए प्रथम, सेकेंड और तृतीय स्थान प्राप्त बच्चों को पुरुस्कृत किया जायेगा |

इंडिया गठबंधन के कार्यकर्ता सड़क पर उतरे

बीएनएम। बेतियाः बेतिया में इंडिया गठबंधन के कार्यकर्ताओं ने वोटर लिस्ट संशोधन के खिलाफ जमकर सरकार के विपक्ष नारेबाजी की।जगह जगह पर चक्का जाम एवं जमकर प्रदर्शन किया गया। वही नमन नौतन पदयात्रा के सूत्रधार कांग्रेस नेता रवि भूषण ने कहा कि चुनाव आयोग के नए मतदाता पुनरीक्षण नियमों के खिलाफ बेतिया में इंडिया गठबंधन द्वारा आयोजित चक्का जाम आंदोलन ऐतिहासिक रहा।यह आंदोलन सिर्फ चक्का जाम नहीं,बल्कि लोकतंत्र बचाने की एक बड़ी मुहिम है। चुनाव आयोग द्वारा प्रस्तावित नए नियमों के कारण लाखों आम नागरिकों—विशेषकर गरीब, दलित,पिछड़े और ग्रामीण वर्ग—का नाम मतदाता सूची से हटाया जा सकता है।यह सीधे तौर पर जनता के संवैधानिक अधिकारों पर हमला है। आगे रवि भूषण ने बताया किआज के आंदोलन में शामिल होकर जनभावनाओं की गूंज को ज़मीन पर महसूस किया हूं।यह साफ़ संकेत है कि बिहार की जनता अब चुप नहीं बैठने वाली।जब अधिकार छिनने लगे, तो सड़कों पर उतरना पड़ता है—और यही इंडिया गठबंधन ने आज किया। मौके पर सैकड़ो इंडिया गठबंधन की कार्यकर्ता मौजूद रहे थे |

नक्सली कांड में वार्ड सदस्य गिरफ्तार

बीएनएम। जमुई/बरहट। नक्सली कांड में लंबे समय से फरार चल रहे एक नक्सली को बरहट पुलिस और मुंगेर एसटीएफ की संयुक्त कार्रवाई में गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान चोरमारा गांव निवासी सिंघों कोड़ा के रूप में हुई है, जो वर्तमान में वार्ड संख्या-2, चोरमारा का वार्ड सदस्य भी है।मिली जानकारी के अनुसार, सिंघों कोड़ा नक्सली गतिविधियों में सक्रिय था और न्यायालय द्वारा जारी वारंट के बावजूद लंबे समय से फरार चल रहा था। लगातार निगरानी के बाद पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर उसे गिरफ्तार किया।बरहट थानाध्यक्ष कुमार संजीव ने बताया कि गिरफ्तार नक्सली के विरुद्ध बरहट थाना क्षेत्र में कोई मामला दर्ज नहीं है, हालांकि मुंगेर जिले के लड़ैयाटांड थाना में इसके खिलाफ नक्सली गतिविधियों से जुड़ा मामला दर्ज है। गिरफ्तारी के बाद उसे लड़ैयाटांड थाना पुलिस के हवाले कर दिया गया है।

श्रमिक संगठनो की हड़ताल से बैंकों में लटका ताला, उपभोक्ता परेशान

बीएनएम। शेखपुरा. जिले में महागठबंधन के आहान पर शहर के विभिन्न् श्रमिक संगठनों के हड़ताल का आज शेखपुरा में मिला जुला असर देखने को मिला है. लेकिन इस बंद का सबसे अधिक असर बेंकों के कामकाज पर पड़ा है. इस बंद की वजह से शहर के अधिकांश बैंकों में ताला लटक गया. बैंकों में ताला लटके रहने के कारण दूर दराज से बैंक के काम से आये लोगों को भारी फजीहत झेलनी पड़ी. एक तो महागठबंधन का चक्का जाम फिर भी किसी तरह पहुंचे ग्रामीणों को जब बैंक में ताला लटका मिला तो मायूस होकर बापस जाना पड़ा. श्रमिक संगठनों के बंद को समर्थन देते हुए माले के लोगों ने जमकर नारेबाजी की. केंद्र सरकार को मजदूर बिरोधी बताते हुए माले के जिला सचिव विजय कुमार विजय ने कहा कि कारपोरेट घराने के लिए केंद्र की सरकार मेहरबान है और गरीबों का दोहन कर रही है. ऐसे में इस बंद के कारण होने वाली नुकसान का जिम्मेवार भी नेताओं ने केंद्र और बिहार सरकार को बताया है |

मतदाता पुनरीक्षण कार्य के विरोध में विपक्ष दिखा एकजुट

इंडिया गठबंधन के नेता उतरे सडक पर

» चुनाव आयोग को भी सवालों के घेरे में किया खड़ा
» बगहा में मिला जुला बंदी का दिखा असर

बीएनएम। बगहा

बगहा में प्रदर्शन करते इंडिया गठबंधन के नेता

मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण के खिलाफ इंडिया गठबन्धन के आह्वान पर बिहार बन्द के तहत बगहा में बन्दी सफल रहा। भारतीय चुनाव आयोग के द्वारा बिहार नोटबन्दी की तरह वोट छटनी का काम जो कर रहे हैं वह काला कानुन है। इससे करोड़ो लोगों का मताधिकार समाप्त होने जा रहा है। कांग्रेस पार्टी के बगहा विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी जयेश मंगल सिंह उर्फ जय सिंह ने कहा कि चुनाव आयोग द्वारा यह गरीब विरोधी कानुन है।बिहार के जनता के ऊपर चुनाव आयोग ने साजिश के तहत जबरन थोपा जा रहा है। कांग्रेस पार्टी के वरीय नेता सह वाल्मीकि नगर विधानसभा क्षेत्र के भावी प्रत्याशी सुरेन्द्र प्रसाद कुशवाहा ने कहा कि बिहार के जनता ने चुनाव आयोग के इस मंशा को धत्ता बताते हुए खारिज करता है। राज्यव्यापी बिहार बन्द का आह्वान कर परसौनी, चौतरवा और बगहा में सड़क जाम कर नारे के साथ एनएच 727 अनुमण्डल के पास चक्का जाम भी किया गया। जिसमें (माले) राजद, कॉग्रेस, वीआईपी,सीपीआई सरिखें सभी पार्टीयों के बगहा अनुमण्डल के शीर्ष नेतृत्व के नेता लोग भाग लिया है। नुक्कड़ सभा में (माले) नेता भिखारी प्रसाद ने कहा कि इण्डिया गठबन्धन व मुख्य चुनाव आयोग के द्वारा नया वोटर लिस्ट के जगह पर पुरानी वोटर लिस्ट से ही बिहार विधानसभा चुनाव हो, यही ऐसा नहीं हुआ तो यह आन्दोलन आगे और आक्रामक होगा। राजद के युवा जिलाध्यक्ष पप्पू यादव, महासचिव आलमगीर रब्बानी, राजद के वरीय नेता माजिस्टर यादव सहित इंडिया गठबंधन के नेताओं ने इलेक्शन कमीशन को भी सवालों के घेरे में खड़ा किया। इस अवसर पर कांग्रेस पार्टी के प्रखंड अध्यक्ष बगहा एक दिनेश यादव, भाकपा (माले) नेता बंधुराम यादव,बृजेश राम युनियन अध्यक्ष, राजद नेता कमलेश दुबे,कालिम साहब,कांग्रेस नेता रमाशंकर दुबे,पप्पू यादव,संदीप उर्फ गोलू,वीआईपी नेता कृष्णा साहनी, माले नेता परशुराम यादव, एपवा सुमित्रा देवी, राजवंती देवी आदि तमाम इंडिया गठबंधन के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

आम हड़ताल प.चम्पारण में पूर्ण रुप से सफल

बीएनएम। बेतिया

बेतिया में प्रदर्शन करते ट्रेड यूनियंस के सदस्य

बेतिया में राष्ट्रीय ट्रेड यूनियंस, संयुक्त किसान मोर्चा तथा इंडिया गठबंधन के आह्वान पर पश्चिम चंपारण में मुकम्मल हड़ताल रहा। जिले के सभी सड़क सुनसान नजर आई ।सभी दुकान बंद रही ।वाहनों का परिचालन भी पूर्ण रूप से ठप रहा ।इस अवसर पर सीटू के तांगा यूनियन राज देवड़ी से एक विशाल जुलूस निकाला गया। इस कार्यक्रम की सफलता पर बोलते हुए सीपीएम के बिहार राज्य सचिव मंडल सदस्य प्रभुराज नारायण राव ने बताया कि यह सफल हड़ताल चार श्रम संहिता को वापस लेने, मजदूरों के काम के समय को बढ़ाने के विरुद्ध तथा एमएसपी को कानूनी दर्जा देने ,किसानों को सभी कृषि कर्ज से मुक्त करने, खेती में लागत का डेढ़ गुना दाम देने के साथ-साथ बिहार में बड़े पैमाने पर गरीबों को वोट देने से वंचित करने के विरुद्ध हड़ताल की गई । इसमें बड़ी संख्या में दलित वर्ग, कमजोर वर्ग तथा अल्पसंख्यकों की जमात शामिल थी।

सहरसा समेत कई अनुमंडलों में बंद का व्यापक असर

सिमरी बख्तियारपुर में प्रदर्शन करते महागठबंधन के कार्यकर्ता

» सिमरी बख्तियारपुर में यूसुफ सलाउद्दीन के द्वारा प्रदर्शन

बीएनएम। सहरसा

बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण के विरोध में महागठबंधन द्वारा आहूत बिहार बंद का बुधवार को व्यापक असर देखा गया। सहरसा जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों सहित कई अनुमंडलों में कांग्रेस, राष्ट्रीय जनता दल (राजद), वीआईपी, सीपीआई और अन्य दलों के कार्यकर्ताओं ने सड़क पर उतरकर विरोध-प्रदर्शन किया।प्रदर्शनकारियों ने थाना चौक से बाइक रैली और पैदल मार्च निकालते हुए शंकर चौक, बस स्टैंड, तिवारी टोला होते हुए पुनः शंकर चौक पर विरोध प्रदर्शन किया। राजद विधायक यूसुफ सलाउद्दीन ने सिमरी बख्तियारपुर में मोर्चा संभालते हुए नगर पंचायत की मुख्य सड़क को जाम कर केंद्र व राज्य सरकार के खिलाफ नारेबाजी की।वहीं, नवहट्टा प्रखंड में भी जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन कर मतदाता सूची पुनरीक्षण को लोकतंत्र के खिलाफ बताया। सीपीआई नेता ओमप्रकाश यादव ने आरोप लगाया कि यह प्रक्रिया भाजपा और आरएसएस के इशारे पर की जा रही है, जिससे अल्पसंख्यकों, दलितों और गरीबों के नाम सूची से हटाए जा सकें।राजद नेताओं ने इसे लोकतांत्रिक अधिकारों को कुचलने की साजिश करार दिया। बंद के दौरान बाजार बंद रहे और यातायात व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हुई। हालांकि प्रशासन की मुस्तैदी के चलते कोई अप्रिय घटना नहीं घटी।महागठबंधन ने चेतावनी दी है कि अगर मतदाता सूची पुनरीक्षण में पारदर्शिता नहीं बरती गई तो भविष्य में और भी बड़े आंदोलन किए जाएंगे।

बिहार बंद का लखीसराय में मिला-जुला असर, चक्का जाम,विरोध प्रदर्शन से लोग हुए परेशान

बिहार बंद के दौरान सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते इंडिया गठबंधन कर नेतागण

बीएनएम। लखीसराय

बुधवार को विभिन्न संगठनों द्वारा बुलाए गए बिहार बंद का असर लखीसराय में मिला-जुला रहा। कुछ इलाकों में दुकानें बंद रहीं, तो कई क्षेत्रों में बाजार सामान्य रूप से खुले। पुराने बाजार, जन्म स्थान और सब्जी मंडी क्षेत्र में बंद का असर देखा गया, जबकि नया बाजार, स्टेशन रोड और आरपीएफ मोड़ पर दुकानें खुली रहीं। हालांकि बाजारों में आम दिनों की तुलना में भीड़ कम रही।सुबह 9:30 बजे से शहीद द्वार पर इंडिया गठबंधन से जुड़े दलों के कार्यकर्ताओं ने चक्का जाम किया। बैनर-पोस्टर लेकर आए प्रदर्शनकारियों ने नारेबाजी करते हुए सड़क जाम कर दी, जिससे राहगीरों को भारी परेशानी हुई। दोपहिया वाहन चालकों, स्कूल जाने वाले बच्चों और मरीजों को खास दिक्कतों का सामना करना पड़ा। करीब 9:45 बजे विद्यापीठ चौक पर भी टायर जलाकर विरोध प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शनकारी केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ आवाज उठा रहे थे। टायर जलने से कुछ देर के लिए धुआं भर गया, जिससे स्थानीय लोगों को असुविधा हुई। बंद के कारण पब्लिक ट्रांसपोर्ट पर भी असर पड़ा। ऑटो और टोटो सेवाएं आंशिक रूप से ही संचालित रहीं। कई यात्रियों को गंतव्य तक पहुंचने में परेशानी झेलनी पड़ी। हालांकि, किसी प्रकार की हिंसक घटना की सूचना नहीं है। पुलिस अधीक्षक अजय कुमार के निर्देश पर शहर के प्रमुख स्थानों, चौक-चौराहों और स्टेशन परिसर में दंडाधिकारी और पुलिस बल की तैनाती की गई थी। प्रशासन की सतर्कता से स्थिति नियंत्रण में रही।

राष्ट्रीय ध्वज लगाने की निविदा जारी, 15 तक करें दावेदारीःगरिमा

बीएनएम। बेतिया

महापौर गरिमा देवी सिकारिया ने कहा कि नगर निगम कार्यालय परिसर और नजरबाग पार्क में 101-101 फुट ऊंचाई वाले राष्ट्रीय ध्वज लगाने की नगर निगम बोर्ड द्वारा स्वीकृत योजना की निविदा नगर निगम प्रशासन द्वारा जारी कर दी गई है। इस योजना का कार्यादेश प्राप्त करने के इच्छुक संवेदक आगामी 15 जुलाई तक विहित प्रावधान और प्रारूप में अपनी दावेदारी प्रस्तुत कर सकते हैं। महापौर सिकारिया ने बताया कि स्टैंडर्ड क्वालिटी के स्टील पोल के माध्यम विशाल राष्ट्रीय ध्वज फहराने की योजना को नगर निगम बोर्ड द्वारा बीते माह ही पारित किया गया है। उन्होंने बताया जिला मुख्यालय के ख्यातिलब्ध दो दो सार्वजनिक स्थानों पर नेशनल फ्लैग स्टैंड का लगना नगर निगम क्षेत्र सहित पूरे जिला की युवा पीढ़ी और राष्ट्रप्रेमी जनता के लिए यह योजना पूरी होने के बाद आकर्षक और यादगार बनेगी।

मतदाता पुनरीक्षण सूची के विरोध में चक्का जाम

विधायक के नेतृत्व में महागठबंधन नेता कार्यकर्ता कर रहे थे विरोध प्रदर्शन

बीएनएम। सुगौली

मतदाता सूची पुनरीक्षण कानून को लेकर महागठबंधन के बुलाये गये बिहार बंद के समर्थन में बुधवार को स्थानीय राजद विधायक ई. शशिभूषण सिंह के नेतृत्व में गठबंधन के नेताओं, कार्यकर्ताओं ने रक्सौल -मोतिहारी राजमार्ग को जाम कर दिया। जिससे सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। मौके पर मौजूद विधायक ई शशिभूषण सिंह ने कहा कि ये अंधा कानून है जिसे किसी भी हालत में सफल नहीं होने दिया जाएगा। वहीं राजद के ओमप्रकाश सहनी ने कहा कि सरकार को अपनी घटती लोकप्रियता पता लग चुका है जिससे मतदाता पुनरीक्षण कि साजिश की गई है।वी आई पी के मनोज सहनी सहित सभी नेताओं ने इसे जन विरोधी कहा। वहीं जाम के दौरान पुलिस निरीक्षक अशोक पाण्डे व थानाध्यक्ष के नेतृत्व में जाम स्थल भारी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। मौके पर राजद नेता जयप्रकाश यादव,ताराचंद यादव, कांग्रेस के ठाकुर रामबालक सिंह, सीपीएम के धनंजय पुरी, राकेश झा, अनवार आलम,वाजीद अली, राजकिशोर सिंह, मूसा आलम, पन्ना लाल यादव, अमजद मिंया सहित भारी संख्या में महागठबंधन के कार्यकता मौजूद थे।

रहस्यमय हालात में शिक्षक की मौत

परिजनों ने उठाए सवाल

बीएनएम। सहरसा

मृतक शिक्षक की फाइल फोटो

महिषी प्रखंड अंतर्गत मंगलवार देर शाम एक सरकारी शिक्षक की संदिग्ध स्थिति में मौत से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान वार्ड 10 निवासी एवं आशो देवी प्यारे झा उच्च विद्यालय में कार्यरत शिक्षक नवल किशोर चौधरी (उम्र 47) के रूप में हुई है। वे मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य में बीएलओ के तौर पर भी तैनात थे।स्थानीय लोगों के अनुसार, स्कूल से लौटते वक्त वे वार्ड 7 के पास एक पेड़ के नीचे अचेत अवस्था में पाए गए। राहगीरों की मदद से उन्हें महिषी पीएचसी ले जाया गया, जहां से हालत गंभीर होने पर सहरसा सदर अस्पताल रेफर किया गया। इलाज के दौरान ही उन्होंने दम तोड़ दिया।शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। थाना अध्यक्ष सुबोध कुमार ने बताया कि रिपोर्ट के बाद ही मौत की असली वजह स्पष्ट हो पाएगी। उन्होंने कहा कि हर एंगल से जांच की जा रही है।इस घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों ने संदेह जताते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है। मृतक अपने पीछे एक बेटा-बेटी और पत्नी को छोड़ गए हैं।सांसद राजेश वर्मा ने घटना पर गहरा दुख जताते हुए कहा, "यह दुखद और गंभीर घटना है। प्रशासन को हर पहलू से जांच करनी चाहिए।"भाजपा जिला उपाध्यक्ष व सांसद प्रतिनिधि रितेश रंजन ने कहा, "हम पीड़ित परिवार के साथ हैं। जांच में यदि लापरवाही या साजिश की बात सामने आती है तो दोषियों पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए।"शिक्षक समाज और स्थानीय लोगों ने भी घटना की उच्च स्तरीय जांच की मांग की है।

वोटर कार्ड रिवीजन के विरोध में सड़क जाम

जमुई जाम में फंसे वाहन

बीएनएम। जमुई/बरहट

निर्वाचन आयोग द्वारा चलाए जा रहे मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के विरोध में मंगलवार को इंडिया गठबंधन और ट्रेड यूनियन के आह्वान पर बुलाए गए एक दिवसीय बिहार बंद का असर बरहट प्रखंड में आंशिक रूप से देखने को मिला।इंडिया गठबंधन के नेता और कार्यकर्ताओं ने जमुई-लक्ष्मीपुर मुख्य मार्ग स्थित नुमर चौक पर ट्रैक्टर खड़ा कर तथा पांडो चौक पर बांस-बल्लियों के सहारे सड़क को पूरी तरह जाम कर दिया। इससे मार्ग पर आवागमन पूरी तरह ठप हो गया। प्रदर्शनकारियों ने केंद्र व राज्य सरकार की नीतियों के खिलाफ जमकर नारेबाज़ी की और विरोध दर्ज कराया। सड़क जाम के कारण दोनों ओर छोटी-बड़ी गाड़ियों की लंबी कतारें लग गईं। हालांकि आपातकालीन सेवाओं को ध्यान में रखते हुए एम्बुलेंस एवं अन्य आवश्यक वाहनों को आवागमन की अनुमति दी गई, जिससे मरीजों और ज़रूरी सेवाओं पर असर न पड़े।इधर, विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए बरहट थानाध्यक्ष कुमार संजीव दलबल के साथ मौके पर तैनात रहे और स्थिति को नियंत्रण में रखा।

कल से होगी सिद्धि योग में सावन की शुरुआत

» मंदिरों में गूंजेगा "हर हर महादेव" : आचार्य मौसम झा

बीएनएम। सहरसा

आचार्य मौसम झा

इस वर्ष 2025 में श्रावण मास की शुरुआत एक अत्यंत शुभ संयोग 'सिद्धि योग' में 11 जुलाई, शुक्रवार से हो रही है। यह मास 09 अगस्त तक चलेगा और पहली सोमवारी व्रत 14 जुलाई को पड़ेगी। इस पवित्र अवसर पर सहरसा के प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य आचार्य मौसम झा ने बताया कि श्रावण मास शिवभक्तों के लिए विशेष फलदायी और मनोकामना पूर्ति करने वाला होता है।आचार्य झा के अनुसार, "श्रावण मास देवों के देव महादेव का अत्यंत प्रिय समय है। इस मास में श्रद्धा व नियम से शिव-पार्वती की पूजा करने से सुख-समृद्धि, उन्नति और मनचाही कामनाएं पूर्ण होती हैं। सोमवार के दिन भोलेनाथ बहुत शीघ्र प्रसन्न होते हैं, इसलिए श्रावण सोमवारी व्रत का विशेष महत्व है।"श्रावण मास के दौरान शिव को जल, गंगाजल, बेलपत्र, धतूरा, गाय का दूध, मधु, इत्र, पंचामृत आदि चढ़ाना शुभ माना जाता है। इस दौरान रुद्राभिषेक, महामृत्युंजय जाप, शिव चालीसा और पार्थिव शिव पूजन विशेष लाभकारी माने जाते हैं।श्रद्धालु इस मास में सोलह सोमवार व्रत की भी शुरुआत कर सकते हैं।

श्रावण सोमवारी व्रत तिथियाँ 2025:

1. 14 जुलाई – पहला सोमवार 2. 21 जुलाई – दूसरा सोमवार 3. 28 जुलाई – तीसरा सोमवार 4. 04 अगस्त – चौथा सोमवार,श्रावण का यह पावन मास शिवभक्तों के लिए भक्ति, साधना और आत्मिक उन्नति का अद्भुत अवसर है।

हथियार के साथ एक अपराधी गिरफ्तार, अपाची बाइक भी बरामद

बीएनएम। तुरकौलिया

रघुनाथपुर पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। गुप्त सूचना के आधार पर की गई कार्रवाई में एक युवक को देशी कट्टा और एक अपाची बाइक के साथ गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान रघुनाथपुर भलुआ निवासी करण कुमार के रूप में की गई है। पुलिस के अनुसार, अपर थानाध्यक्ष मिंटू कुमार के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। उन्होंने अपने बयान पर एफआईआर भी दर्ज कराई है। जानकारी के मुताबिक, पुलिस को सूचना मिली थी कि एक युवक अपाची बाइक से हथियार लेकर भलुआ की ओर से आ रहा है। सूचना मिलते ही टीम भलुआ स्थित सरकारी स्कूल के पास वाहन जांच अभियान में जुट गई। इसी दौरान एक संदिग्ध बाइक सवार युवक नजर आया, जो पुलिस को देखकर बाइक मोड़कर भागने लगा। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए उसे खदेड़ कर पकड़ लिया। पूछताछ में युवक ने पहले अपना नाम कुणाल बताया, लेकिन बाद में पहचान करण कुमार के रूप में हुई। तलाशी के दौरान उसके कमर से एक देशी कट्टा बरामद हुआ। थानाध्यक्ष अलका कुमारी ने बताया कि आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। वहीं, बरामद अपाची बाइक की वैधता की जांच की जा रही है।

एमएसएमई की संख्या में वृद्धि

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा है कि सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) देश की अर्थव्यवस्था के मजबूत स्तंभ हैं। सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में महत्त्वपूर्ण योगदान देने के साथ ही जमीनी स्तर पर नवाचार को भी बढ़ावा देते हैं। एमएसएमई दिवस समारोह को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि देश के सतत आर्थिक विकास के मद्देनजर एमएसएमई के लिए एक मजबूत इकोसिस्टम अनिवार्य है। उन्होंने प्रसन्नता जताई कि केंद्र सरकार ने इस अनिवार्यता को समझते हुए कई नीतिगत पहल की हैं। एमएसएमई के लिए वर्गीकरण मानदंडों में संशोधन, ऋण की उपलब्धता में वृद्धि, केंद्रीय मंत्रालयों, विभागों और केंद्रीय सार्वजनिक के उद्यमों को अपनी वार्षिक खरीद आवश्यकताओं का कम-से-कम 35 फीसद एमएसएमई उद्यमों से प्रापण करने के लिए प्रोत्साहन, पीएम विकर्मा योजना के तहत कारीगरों के कौशल विकास जैसी तमाम पहल ने एमएसएमई उद्यमों के लिए स्थितियां उत्साहजनक बनाई हैं। इन प्रयासों ने पंजीकृत एमएसएमई की संख्या में बहुत तेजी से वृद्धि हुई है। साथ ही, उम्मीद जगी है कि इन पहल से देश के समावेशी विकास में एमएसएमई पहले से कहीं ज्यादा महत्त्वपूर्ण निभाने में सक्षम और सफल हो सकेंगे। चूंकि ये उद्यम बनिस्बत कम पूंजी लागत पर अधिक रोजगार अवसरों का सृजन करते हैं, और वह भी ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों में, इसलिए कमजोर वर्गों को सशक्त बनाने और विकास के विकेंद्रीकरण में अपनी उपयोगी भूमिका निभा सकते हैं। कहना न होगा कि इससे ये उद्यम समावेशी विकास का महत्त्वपूर्ण जरिया बन सकते हैं। जमीनी स्तर पर नवाचार में भी एमएसएमई उद्यमों की भूमिका को समझा गया है। महिलाओं को इस क्षेत्र में ज्यादा से ज्यादा भागीदारी के लिए प्रेरित किया जाए तो समाज के सर्वांगीण विकास की नई ऊंचाइयों को छुआ जा सकता है। बेशक, सरकार के स्तर पर तमाम प्रयास और पहल हो रही हैं, लेकिन इस तथ्य की भी अनदेखी नहीं की जा सकती कि यह क्षेत्र अनेक चुनौतियों का भी सामना कर रहा है। वित्त की समस्या, कंपनियों में बढ़ती प्रतिस्पर्धा, नवीनतम प्रौद्योगिकी की कमी, कच्चे माल, सीमित बाजार, विलंबित भुगतान और कम कुशल कार्यबल आदि समस्याओं का निदान हो सका तो यकीनन यह क्षेत्र अर्थव्यवस्था के विकास में अपेक्षित योगदान देगा।

भारतीय परंपरा के आलंबन हैं गुरु

प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल

भारतीय जीवन-पद्धति में गुरु का अप्रतिम स्थान है। ज्ञान को सर्वोत्कृष्ट माननेवाली इस परंपरा में गुरु के बिना कुछ भी लभ्य नहीं है। शायद दुनिया में भारत एकमात्र देश है, जिसकी परंपरा, इतिहास और संस्कृति में चाहे जितना परिवर्तन आया हो, गुरु के स्थान एवं उसकी मान्यता में कोई विचलन नहीं दिखाई देता। यद्यपि यह भी सच है कि आधुनिक युग में स्वयं गुरु के स्वरूप एवं उसकी क्रियात्मकता में अंतर आया है, किंतु समाज में विविध प्रकार के आदर्शों की च्युति के बाद भी गुरु का स्थान अद्वितीय है। भारत के प्राचीनतम ज्ञात इतिहास से विचार कर, गुरु या आचार्य को देवता माना गया है। स्मृतियों में तो गुरु को पिता से भी श्रेष्ठ बताया गया है, क्योंकि गुरु ऐसे जीव को, जो आहार, निद्रा, भय, मैथुन इत्यादि पाशविक प्रवृत्तियों के चलते पशु से भिन्न नहीं है, को ज्ञान के आलोक से प्रकाशित कर धर्म-मूल्य से समन्वित कर मनुष्य बनाता है। भारत की सनातन धारा में स्पष्टतः परिलक्षित होनेवाली आगमिक और निगमिक दोनों परंपराएं गुरु-केंद्रित हैं। यह भी कहा जा सकता है, गुरु तत्त्व का ज्ञान भारत का ज्ञान है और आगम परंपरा में गुरु का महत्त्व ही नहीं है, अपितु इस धारा के समस्त ग्रंथ गुरु-महिमा और उसके स्वरूप का अत्यंत विस्तृत वर्णन प्रस्तुत करते हैं। निगम की परंपरा में जहां गुरु एक बार सत्य का दर्शन कराकर शिष्य को सत्य के मार्ग पर चलने के लिए उत्प्रेरित करता है। वहीं आगमिक परंपरा में जीवन की अविकसित स्थिति से ऊपर उठाते हुए आत्म-विकास और पूर्णता को प्राप्त करने के लिए निरंतर पथ-प्रदर्शक और सहायक की आवश्यकता होती है। आगम का यह मार्ग अनुभवसिद्ध एवं तर्कसिद्ध है, क्योंकि जगत के पदार्थों अर्थात भौतिक विषयों एवं भौतिक पद संबंधों का ज्ञान भी गुरु की अपेक्षा करता है। जिसे भूल और प्रयत्न विधि से भी सीखा जा सकता है। जिस व्यवहार को पशु सहज प्रवृत्ति से ही प्राप्त कर लेते हैं, उसे भी सीखने के लिए मनुष्य को गुरु की आवश्यकता होती है, तो अपूर्णताओं को अतिक्रांत कर, उनका विलोप कर, आत्मपूर्णता की स्थिति बिना गुरु के कैसे प्राप्त होगी? स्वरूपतः मनुष्य जो है, उसकी उसे स्मृति नहीं होती अविद्याजन्य संस्कारों के कारण वह आत्मविस्मृति का शिकार रहता है। अविद्या के नाश और विद्या के प्रकाशमय जगत् में प्रवेश के लिए गुरु आवश्यक है। वह पाशविक अनुभव के धरातल से चैतसिक अनुभूति के स्तर तक समुन्नत करने का साधन है। आगमसार ग्रंथ में गुरु के इस स्वरूप को स्पष्ट करते हुए कहा गया है कि गुरु शब्द का 'गकार' सिद्ध देनेवाला, 'रकार' पाप का दहन करनेवाला है और 'उकार' स्वयं शंभु है, अर्थात् ज्ञान और उसके परिणामस्वरूप उत्पन्न होनेवाले पापों का नाश गुरु ही करता है। वह मात्र नाश ही नहीं करता, बल्कि भौतिक एवं आध्यात्मिक सिद्धियों का प्रदाता भी है। यह सभी नहीं कर सकते, अतः गुरु होने की योग्यता भी है, शर्तें भी। 'नवचक्रेश्वरतंत्र' में कहा गया है कि पिंड, पद, रूप और रूपातीत; इस सबको जो सम्यक् ढंग से जानता है, वही गुरु कहा जाता है, अर्थात् मात्र भौतिक या केवल आध्यात्मिक ज्ञानवाला गुरु नहीं हो सकता। गुरु होने के लिए आवश्यक है कि वह इन सबको जानता हो, न केवल जानता हो अपितु सम्यक् रूप से जानता हो। रुद्रयामल, मुंडमाला इत्यादि ग्रंथों में गुरु, मंत्र और देवता इन तीनों को एकाकार बताया गया है, मुंडमालातंत्र में तो गुरु को देवताओं के पितामह के रूप में भी प्रस्तुत किया गया है। गुरु का महत्त्व भारतीय परंपरा में मात्र तांत्रिक और वैदिक साधना तक सीमित नहीं रहा है, अपितु संत परंपरा में भी इसका पर्याप्त महत्त्व है। कबीरदास की बानी तो जन-जन जानता है कि 'बलिहारी गुरु आपनो गोविंद दियो बताय'। काशी के ही अघोर संत बाबा किनाराम ने गुरु की महिमा बताते हुए कहा कि गुरु चारों वेद हैं, वहीं अग्नि, पवन, जल, धरती, आकाश इत्यादि पंचमहाभूत भी हैं, अर्थात् गुरु सभी का मूल है, सभी प्रकार के शूलों का हरण करनेवाला है। यह नित्य, अमल और अपने शिष्य को पावन पद को देनेवाला है। यह गुरु ही है, जो गोविंद तक पहुंचाता है, इसलिए वह आध्यात्मिक अभ्युदय का साधन है। ज्ञान के उदय के साथ गुरु ही गोविंद हो जाता है। सकल संशयों की निवृत्ति उसके प्रति सर्वविध समर्पण से ही संभव है। इसलिए गुरु से किसी प्रकार की वंचना उचित नहीं है। स्कंदपुराण के उत्तर खंड में गुरु-तत्त्व के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए कहा गया है कि जिसके सत्य होने पर ही जगत् की सत्ता है, जिसके प्रकाश से सबकुछ प्रकाशित होता है, जिसके द्वारा आनंद प्राप्त होता है, उस गुरु को प्रणाम है। संक्षेपतः यह कहा जा सकता है कि गुरु-तत्त्व के प्रकाशित होने से ही जगत प्रकाशित होता है और जागतिक वस्तुओं का ज्ञान तथा जगत् में अभ्युदय की प्राप्ति होती है। साथ ही जगत् की सीमा का अतिक्रमण करवह परम निःश्रेयस की अवाप्ति भी कराता है। भारतीय परंपराक्रम में अध्यात्म-विद्या की साधना में ही गुरु का महत्त्व नहीं है, अपितु ज्ञान की भौतिक साधना में भी गुरु-केंद्रित है। इसलिए आचार्य को देवता कहा गया है। स्मृतिकारों ने अक्षरमात्र प्रदाता को योनि संबंधों में श्रेष्ठ माने जानेवाले संबंधों से श्रेष्ठतर स्वीकार किया है। मनु ने कहा है कि पिता गार्हपत्याग्नि है, माता दक्षिणाग्नि है तथा गुरु आहवनीयाग्नि है। जिस प्रकार तीनों अग्नियों में आहवनीयाग्नि श्रेष्ठ है, उसी प्रकार गुरु इन तीनों में श्रेष्ठ है। यह श्रेष्ठता मात्र श्रद्धा पर आधारित नहीं है। इसके लिए शर्तें हैं, जो गुरु इन शर्तों को पूरा करता है, वही श्रद्धा का पात्र है। इसकी चर्चा शारदातंत्र एवं विश्वसारतंत्र में विस्तृत रूप से प्राप्त होती है। सभी शास्त्रों में वर्णित शर्तों को संक्षेप रूप में प्रस्तुत किया जाए तो कहा जा सकता है कि जो सभी शास्त्रों में दक्ष तथा सर्वशास्त्रार्थविद्, जितेंद्रिय, सत्यवादी, शांत मानस, सर्वकर्मपरायण, गृहस्थ, निरोगी, निरहंकार तथा विकाररहित है, वही गुरु होने के योग्य है। गुरु के भी शिक्षा तथा दीक्षा दो प्रकार के भेद हैं दीक्षा-गुरु वही हो सकते है, जिसमें सतर्क की प्रतिष्ठा हो गई हो, अर्थात् जिसमें संस्कारित विकल्पों का प्रादुर्भाव हो गया है। सतर्क ही भावना है, भावना का अर्थ है भूत-अभूत सभी अर्थों का स्फुट भावन। यह भावना ही निर्जीव अक्षरों में चेतना को उद्भूत करती है और भौतिक ज्ञान भी चैतसिक हो उठता है, किंतु शिक्षा-गुरु का दायित्व सत्-असत् का विवेक, ग्राह्य-अग्राह्य का भेद ज्ञान कराना मात्र है। तंत्रों में उसे असद् गुरु तथा स्मृतियों में आचार्य कहा गया है। आचार्य वह है जिसे ज्ञान है, यद्यपि उसके साथ उसकी एकाकारिता नहीं है। वह जानता है और बताता भी है, किंतु वहाँ तक पहुँचा नहीं सकता। जगत् की सीमा से परे, पदों एवं संबंधों से ऊपर नहीं ले सकता। परिणामतः वह मन में बंधन को तोड़ने की इच्छा और साहस तो उत्पन्न कर देता है, तोड़ नहीं पाता। सबकुछ बताकर वह विद्या-स्नान कराता है और समावर्तन का उपदेश करता है। इस उपदेश के साथ उसे स्नातक घोषित करता है। साथ ही आचरण के पक्ष को लेकर वह सावधान भी करता है कि हमारा जो सुचरित्र है, वही तुम्हारे लिए अनुकरणीय है, अन्य नहीं। गुरु के महत्त्व को आज के संदर्भों में भी समझना होगा। दोनों ही प्रकार के गुरु, जिनका शास्त्रीय स्वरूप विवेचित किया गया है, उसकी आज के संदर्भों में परीक्षा करनी होगी, क्योंकि आज जो लोक को ग्राह्य है, स्वीकार्य है, वही धर्म है। शास्त्र शुद्धि होती हुए भी लोक-विरुद्ध होने पर आचरण योग्य नहीं होता। जो लोक की उपेक्षा करता है, वह निंदा का पात्र होता है। अतः आधुनिक शिक्षा- व्यवस्था के संदर्भ में शिक्षा गुरु, अर्थात् आचार्य एवं धर्मोपासना के वर्तमान संदर्भों में विचार करें तो ध्यान में यह रखना आवश्यक है कि परंपरा के क्रम में आचार्य वही है, जो सकल वेदराशि, अर्थात् ज्ञान का संकल्प और सरहस्य अध्यापन करे। एकदेशीय अध्यापक, पण्यजीवी अध्यापक, आचार्य न होकर उपाध्याय है। यही कारण है कि महाभारत में सांदीपनि विद्या में, प्रताप में न्यून होने के बाद भी द्रोण की अपेक्षा आदरणीय एवं पूज्य हैं सांदीपनि का शिष्य कृष्ण कहीं उनके विरोध में खड़ा नहीं होता। वह गुरु को प्रसन्न करने के लिए मृत्यु के समान भयंकर पांचजन्य से भी युद्ध करता है और कभी संधि नहीं करता, पांचजन्यों के क्षेत्र में ही द्वारिका की स्थापना के बाद भी नहीं। जबकि पण्यजीवी द्रोण के शिष्य गुरु-दक्षिणा देकर उससे मुक्त हो जाते हैं और गुरु के घुर विरोधी द्रुपद से संबंध जोड़ते हैं, उससे मित्रता करते हैं। इसके निहितार्थ को आधुनिक संदर्भों में देखना होगा। वृत्ति के लिए अध्यापन कर्म करनेवाला आचार्य नहीं हो सकता, क्योंकि वह वृत्तिदाता की शर्तों के अधीन है। वह राज्य या ऐसी किसी भी सत्ता, जिससे वित्तपोषित है, उसके विरुद्ध सोच भी नहीं सकता। वह हस्तिनापुर के खूंटे से बंधा हुआ द्रोण के समान है, 'चाहे उस पर पांडु बैठा हो या दृष्टि और विवेक दोनों से विहीन धृतराष्ट्र, जिनकी दासता को स्वीकार करना है। उसे सत् के पक्ष में खड़े होने का साहस नहीं होता। वह स्वयं भी उस दुर्योधन से अलग मनःस्थिति में नहीं होता, जो धर्म को जानता है, किंतु प्रवृत्ति नहीं है, जो पाप को जानता है, किंतु निवृत्ति नहीं है। फिर महाभारत और उसके बाद का अधिकांश इतिहास ऐसे ही उपाध्यायों का इतिहास है। जब चाणक्य जैसा आचार्य चंद्रगुप्त को उपनीतिकार अध्यापित करता है, तब परिवर्तन होता है। जब कोई समर्थ रामदास शिवा को दीक्षित करता है, तब अन्याय के विरुद्ध तामसिक वृत्तियों के विरुद्ध निर्णायक संघर्ष प्रारंभ होता है।

जीवन को सार्थक बनाते हैं गुरु

डॉ. वंदना सेन

गुरु बिन ज्ञान न उपजै गुरु बिन मिलै न मोक्ष, गुरु बिन लखै न सत्य को गुरु बिन मिटै न दोष। अर्थात गुरु के बिना ज्ञान नहीं आता और न ही मोक्ष मिल सकता है। गुरु के बिना सत्य की प्राप्ति नहीं होती और ना ही दोष मिट पाते हैं। यानी जीवन के प्रत्येक क्षेत्र को संवारने के लिए गुरु का होना बहुत ही आवश्यक है। भारतीय संस्कृति को धारण करने वाला व्यक्ति प्रेरणापुंज की तरह ही होता है। उनके प्रत्येक शब्द सकारात्मक दिशा का बोध कराने वाला होता है। हम प्रायः सुनते हैं कि हमारा देश विश्व गुरु रहा है, विश्व गुरु यानी सम्पूर्ण क्षेत्रों में विश्व का मार्ग दर्शन करने वाला, लेकिन क्या हमने सोचा है कि भारत का वह कौन सा गुण था, जिसके कारण विश्व के अंदर भारतीय प्रतिभा और क्षमता का बोलबाला था। इसका उत्तर आज भले ही कोई नहीं जानता हो, लेकिन यथार्थ यही है कि इसके पीछे मात्र भारतीय गुरुकुल ही थे। भारतीय संस्कृति में गुरुकुल शिक्षा प्रणाली एक ऐसी प्रणाली है, जिसमें बालक के सम्पूर्ण विकास की अवधारणा और संरचना होती है। उस समय के हिसाब से गुरुकुलों में विश्व की सबसे श्रेष्ठ शिक्षा दी जाती थी। छात्रों का समग्र विकास किया जाता था। चाहे वह ज्ञान, विज्ञान का क्षेत्र हो या शारीरिक शिक्षा की बात हो या फिर नैतिक और व्यावहारिक संस्कारों की ही बात हो। गुरुकुल की शिक्षा बहुमुखी प्रतिभा का विकास करती थी। आज देश में कई गुरुकुल चल रहे हैं, उसमें बहुत आश्चर्यजनक प्रतिभा संपन्न बालकों का निर्माण भी हो रहा है। पिछले समय गूगल बॉय के रुप में चर्चित होने वाला बालक इन्हीं गुरुकुलों की देन है। गुजरात के कर्णावती में हेमचंद्राचार्य गुरुकुल में ऐसे नन्हे प्रतिभाशाली छात्रों को देखकर विदेशी भी चकित हैं। हमारे देश को वास्तव में गुरुकुल आधारित शिक्षा पद्धति की आवश्यकता है, क्योंकि यही भारत की वास्तविक शिक्षा है और इसी से छात्रों का समग्र विकास हो सकता है। गुरुकुल में जो अध्यापक होते थे, वह अपने आपको गुरु की भूमिका में लाने के लिए ज्ञान की साधना करते थे। एक ऐसा ज्ञान जो समाज को सार्थक दिशा का बोध करा सके। उस समय वर्तमान की तरह स्कूल नहीं होते थे। क्योंकि स्कूलों की प्रणाली विदेशी प्रणाली है। इससे गुरु और शिष्य के मध्य अपनत्व नहीं होता। गुरुकुल का अर्थ स्पष्ट है। वह गुरु का कुल यानी परिवार होता था। गुरु अपने शिष्य को अपने परिवार का सदस्य मानकर ही शिक्षा देता था। संस्कृत में गुरु शब्द का अर्थ ही अंधकार को समाप्त करने वाला होता है। आज के स्कूल एक प्रकार के व्यापार केन्द्र ही हैं। पैसे को आधार मानकर शिक्षा देने का चलन हो गया है। इससे गुरु और शिष्य के बीच गुरुकुल जैसे संबंध नहीं बनते, क्योंकि इन स्कूलों में नैतिक व्यवहार की सीख नहीं दी जाती। शिष्य को ज्ञान नहीं, केवल शब्द पढ़ाए जाते हैं। शिक्षा प्रणाली का किसी भी देश के निर्माण में बहुत बड़ा योगदान होता है। भारत को स्वतंत्रता मिलने के बाद जिस प्रकार की शिक्षा दी जानी चाहिए थी, उसका हमारे देश में नितांत अभाव महसूस किया जाता रहा है। शायद, स्वतंत्रता मिलने के बाद हमारे नीति निर्धारकों ने शिक्षा नीति बनाने के बारे में कम चिन्तन किया। इसी कारण आज की नई पीढ़ी को इतिहास की जानकारी देने से वंचित किया जा रहा है। यहां यह बताना आवश्यक है कि इतिहास कोई सौ या दो सौ सालों में नहीं बनते। जहां तक भारत के दो सौ सालों के इतिहास की बात है तो इस दौरान भारत परतंत्रता की जंजीरों में जकड़ा रहा था। इसलिए स्वाभाविक है कि उस कालखंड का इतिहास हमारा मूल इतिहास नहीं कहा जा सकता। अगर हमें भारत के इतिहास का अध्ययन करना है तो उस कालखंड में जाना होगा, जब भारत पर किसी विदेशी का शासन नहीं था। क्या आज यह इतिहास कोई जानता है, ... बिलकुल नहीं। उसको कोई बताता भी नहीं, क्योंकि उसको बताने से भारत का वही रूप सामने आएगा, जो विश्वगुरू भारत का था। हम जानते हैं कि विश्व के प्रायः सभी देशों में जो शिक्षा प्रदान की जाती है, वह उस देश के मूल भाव को संवर्धित करती हुई दिखाई देती है। इसके अलावा शिक्षा का मूल भी यही होना चाहिए कि उसमें उस देश का मूल संस्कार परिलक्षित हो। हमें पहले यह भी समझना होगा कि शिक्षा किसलिए जरूरी है? क्या केवल साक्षर होने या नौकरी के लिए पढ़ाई की जानी चाहिए अथवा इसके और भी गहरे मायने हैं? विद्यालय, महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय वह केंद्र होते हैं, जहां विद्यार्थी को वैचारिक स्तर पर गढ़ने का कार्य किया जाता है। विद्यार्थी को गढ़ने का कार्य केवल गुरु ही कर सकते हैं। भारत के मनीषियों ने गुरु के साथ विद्यार्थी के सानिध्य को समझा और गुरुकुल पद्धति पर बल दिया। पारिवारिक वातावरण से दूर रहने के कारण उसमें आत्मनिर्भरता विकसित होती थी तथा वह संसार की गतिविधियों से अधिक अच्छा ज्ञान प्राप्त करता था। उससे आत्मानुशासन की प्रवृत्ति का भी विकास होता था। महाभारत में गुरुकुल शिक्षा को गृह शिक्षा से अधिक प्रशंसनीय बताया गया है। प्राचीन भारत में शिक्षा पद्धति की सफलता का मुख्य आधार गुरुकुल ही थे जो किसी न किसी महान तपधारी ऋषि की तपोभूमि तथा विद्यार्जन के स्थल थे। गुरुकुल और समाज के मध्य पृथक्करण नहीं था। गुरु का कार्यक्षेत्र केवल गुरुकुल तक ही सीमित नहीं था अपितु उनके तेजोमय ज्ञान का प्रसार राष्ट्र के सभी क्षेत्रों में था। उनकी विद्वता और उत्तम चरित्र तथा व्यापक मानव सहानुभूति की भावना के कारण उनकी ख्याति दूर-दूर तक फैली होती थी। गुरु के आचार-विचार में भेद नहीं होता था। गुरुकुल में प्रवेश पाने वाले शिक्षार्थी के अन्तर्मन में झांककर गुरु उसकी योग्यता, आवश्यकता एवं कठिनाइयों को भलीभांति समझते थे। गुरुकुल का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में उत्तम मानस का निर्माण करना था। वस्तुतः स्वयं गुरु ही विद्यार्थियों के आदर्श थे जिनसे प्रेरित होकर वे उनका अनुसरण करते थे और संयमी, गम्भीर तथा अनुशासन युक्त जीवन का निर्माण करते थे। प्राचीनकाल में धौम्य, च्यवन ऋषि, द्रोणाचार्य, सांदीपनि, वशिष्ठ, विश्वामित्र, वाल्मीकि, गौतम, भारद्वाज आदि ऋषियों के आश्रम प्रसिद्ध रहे। बौद्धकाल में बुद्ध, महावीर और शंकराचार्य की परंपरा से जुड़े गुरुकुल जग प्रसिद्ध थे, जहां विश्वभर से मुमुक्षु ज्ञान प्राप्त करने आते थे और जहां गणित, ज्योतिष, खगोल, विज्ञान, भौतिक आदि सभी तरह की शिक्षा दी जाती थी। प्रत्येक गुरुकुल अपनी विशेषता के लिए प्रसिद्ध था। कोई धनुर्विद्या सिखाने में कुशल था तो कोई वैदिक ज्ञान देने में, कोई अस्त्र-शस्त्र सिखाने में तो कोई ज्योतिष और खगोल विज्ञान की शिक्षा देने में दक्ष था। भारतीय संस्कृति में कहा गया है 'सा विद्या या विमुक्तये' अर्थात् विद्या वही है जो हमें सब बंधनों से मुक्त कर दे। कहा जाता है कि जैसी शिक्षा दी जाएगी, देश का मानस उसी प्रकार का बनता जाएगा। इसलिए समाज को इस प्रकार की शिक्षा दी जानी चाहिए, जिससे असली भारत का निर्माण हो सके। इसलिए इस ओर बहुत अच्छे प्रयास प्रारम्भ हो गए हैं।

मेष राशिः आज आप अपने दिन की शुरुआत किसी गरीब की मदद करके करेंगे। आज आपके घर में कोई धार्मिक अनुष्ठान होने से घर में भक्ति भावना का माहौल बना रहेगा। पारिवारिक रिश्तों में हो रही गलतफहमियां आज दूर होंगी। स्किन प्रॉब्लम से परेशान लोग आज अच्छे डॉक्टर से सलाह लेंगे। बिजनेस पार्टनर के साथ आज विदेश यात्रा का योग बन रहा है।

वृष राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। अपने बिजनेस को बढ़ाने के लिये आपको नये अवसर मिलेंगे। किसी को उधार दिया हुआ पैसा आज आपको अचानक वापस मिल सकता है। व्यापार में किसी व्यक्ति से फायदा मिलने की उम्मीद बढ़ेगी। भाई-बहनों से आपको पूरा-पूरा सहयोग मिलेगा। आज घर में कोई फंक्शन होने से आपके शेड्यूल में बदलाव आ सकता है।

मिथुन राशिः आज आपके सोचे हुए सभी काम पूरे हो जायेंगे। आपका दिन अच्छा रहेगा। आपके लिये बहुत-सी चीज़ें आज फायदेमंद हो सकती हैं। आप किसी नए बिजनेस में पैसा लगाने के बारे में सोच सकते है। विवाहितों के लिये आज का दिन बढ़िया है। आपको अपने जीवनसाथी से पूरा सपोर्ट मिलेगा। शिक्षा से जुड़ी आपकी सभी इच्छाएं पूरी होंगी।

कर्क राशिः आज आपका दिन अच्छा रहने वाला हैं। जरूरत से ज्यादा सोचने से बचें और अपने काम पर फोकस करें, आपका सोशल नेटवर्क मजबूत बनेगा। व्यापार में आपकी मुलाकात अनुभवी लोगों से होगी, उनसे व्यापार से जुड़ी जानकारी मिलेगी। आज आप बच्चों के किसी निर्णय में उनका पूरा सपोर्ट करेंगे। पारिवारिक रिश्ते में हो रही गलतफहमियां आज दूर होंगी, आपके रिश्ते में मिठास बढ़ेगी।

सिंह राशिः आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आप माता-पिता के साथ धार्मिक स्थल पर जायेंगे। घर में नए मेहमान के आने की संभावना है, जिससे परिवार का माहौल खुशनुमा बन जायेगा। किसी काम में की गई मेहनत जरूर सफल होगी। नए व्यापार के सिलसिले में की गई यात्रा आज फायदेमंद रहेगी।

कन्या राशिः आज का दिन आपके लिए खुशियों की नई सौगात लाया है। जीवनसाथी की बेहतर सलाह से आपको पैसे कमाने का नया जरिया प्राप्त होगा। आज आपको सयंम से काम लेने की जरुरत है, धैर्य बनाये रखें सब ठीक होगा। खुद को मानसिक रूप से फिट रखने के लिये आपको योगा करना चाहिए। साथ ही आज जल्दबाजी में कोई फैसला करने से आप बचेंगे।

तुला राशिः आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है, आज आप जो भी काम शुरु करेंगे उसमें आपको सफलता जरुर मिलेगी। जो लोग सरकारी नौकरी से जुड़े हैं, उनके लिए आज का दिन उत्तम रहने वाला है। लंबे समय से प्रमोशन में आ रही रुकावट आज दूर होगी। जिनकी जॉब अभी नयी-नयी शुरु हुयी है, उनको ऑफिस में कलीग का सहयोग मिलेगा।

वृश्चिक राशिः आज काम के लिए आपके मन में कोई नया विचार आ सकता है। आप उस पर जल्द ही काम भी शुरू कर सकते हैं। लेकिन आज दिन खत्म होते-होते आपको ऐसा लग सकता है कि आपका कोई काम पूरा नहीं हो पाया है, लेकिन आपको धैर्य रखने की आवश्यकता है। आज आप किसी भी काम को करने से पहले उसकी रूपरेखा जरूर बना लें।

धनु राशिः आज खुद की मेहनत से आप परिवार की अपेक्षाओं पर खरे उतरने में कामयाब होंगे। आपका दिन पहले की अपेक्षा अच्छा रहेगा। किसी जरूरी काम में आज आपको सफलता मिल सकती है। इस राशि के मीडिया से जुड़े लोगों के लिये आज का दिन बेहतर रहेगा।

मकर राशिः आज आपका दिन बीते दिनों की तुलना में बढ़िया रहने वाला है। आपको दूसरों से अपनी पर्सनल बात शेयर करने से बचना चाहिए। आज आपको ध्यान से अपना काम करने की जरूरत है। आप किसी सामाजिक कार्य में अपना हाथ बंटा सकते हैं। उचित दिशा में मेहनत से आपको सफलता जरूर मिलेगी। इस राशि के छात्रों को कोई खुशखबरी मिल सकती है। पढ़ाई के प्रति आपकी रुचि बढ़ सकती है। आर्थिक रूप से किसी भी फैसले के लिये आपको सतर्क रहकर काम करना चाहिए।

कुम्भ राशिः आज आपका दिन अच्छा रहेगा। किसी अधूरे काम में आज हाथ लगाने से वह जल्द ही पूरा हो सकता है। आप आत्मविश्वास से भरे रहेंगे। कार्यक्षेत्र में बढ़ोत्तरी के लिये आपको नया मौका मिल सकता है। इस राशि के छात्र अगर योजना बनाकर तैयारी करेंगे, तो करियर में उन्नति के अच्छे रास्ते खुल सकते हैं।

मीन राशिः आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। बिजनेस के सिलसिले में आपको यात्रा करनी पड़ सकती है। किसी से बात करते समय आपको विनम्र स्वभाव रखना चाहिए। इससे लोगों पर आपका प्रभाव पड़ेगा। अगर आप बिल्डर हैं, तो आज आपको बहुत ही सोच-समझ कर निवेश करना चाहिए।

राजनाथ सिंहः रक्षा, राष्ट्रीयता और राजनीतिक कौशल के प्रतीक

ललित गर्ग

(रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के 74वें जन्मदिवस - 10 जुलाई, 2025)

भारत के राजनीतिक आकाश पर जिन व्यक्तित्वों ने अपनी सादगी, दृढ़ता, राष्ट्रभक्ति और कर्मठता से अमिट छाप छोड़ी है, उनमें राजनाथ सिंह का नाम शीर्ष पर आता है। राजनाथ सिंह आज देश के रक्षा मंत्री के रूप में भारत की सुरक्षा नीति, सामरिक रणनीति और आत्मनिर्भर रक्षा तंत्र के मजबूत स्तंभ बन चुके हैं। उनका राजनीतिक जीवन एक प्रेरणा की तरह है-जहां संघर्ष है, सिद्धांत हैं, और राष्ट्रहित सर्वोपरि है। उनकी लोकप्रियता एवं राजनीतिक कद यूं ही शिखरों पर आरुढ़ नहीं हुआ है, भारत के नवनिर्माण की उनकी प्रभावशाली शैली इसका कारण है। एक तरफ उन्होंने भारत की आजादी के अमृतकाल में रक्षा क्षेत्र में न केवल आत्मनिर्भरता बल्कि निर्यातक की भूमिका निर्मित की है, वही दूसरी ओर स्वराज्य, नये भारत-विकसित भारत के सपने को साकार करने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ाये हैं। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने हाल ही में चीन के पोर्टे सिटी किंगदाओ में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक में आतंकवाद के मुद्दे पर पाकिस्तान को बेनकाब करते हुए संयुक्त घोषणापत्र में हस्ताक्षर करने से मना कर न केवल पाकिस्तान और चीन को नये भारत का कड़ा संदेश दिया, बल्कि दुनिया को भी जता दिया कि भारत आतंकवाद को पोषित एवं पल्लवित करने वाले देशों के खिलाफ अपनी लड़ाई निरन्तर जारी रखेगा। राजनाथ सिंह जैसे साहसी, निर्भीक एवं कद्दावरी नेताओं के कारनामों को दुनिया देख रही है, भारत अब पुराने वाले भारत नहीं रहा, जिसे दबाया जा सकता है। यह नया भारत है, जो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नई करवटें ले रहा है। इसका नवनिर्माण हो रहा है। आज पूरी दुनिया में भारत की विश्वसनीयता है, राजनाथ सिंह ने स्वदेशी रक्षा उत्पादों की दृष्टि से दुनिया में इस विश्वसनीयता को निर्मित किया है। भारत के रक्षा उत्पाद दुनियाभर में निर्यात हो रहे हैं, उनकी गुणवत्ता, प्रभावशीलता एवं पूर्णता में दुनिया का विश्वास बढ़ रहा है, जो एक क्रांतिकारी उपलब्धि है। 'मेक इन इंडिया' दुनिया में परचम फहरा रहा है, सफलता की नई कहानी लिख रहा है। राजनाथ सिंह ने चीन और पाकिस्तान जैसे बाहरी खतरों के विरुद्ध रणनीतिक दृष्टिकोण ही नहीं अपनाया, बल्कि भारतीय रक्षा तंत्र को भी आधुनिक और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में ठोस कार्य किए हैं। रक्षा उत्पादन नीति के अंतर्गत उन्होंने कई विदेशी उपकरणों की आयात पर रोक लगाई और 100 से अधिक रक्षा सामग्रियों को 'निषिद्ध सूची' में डालते हुए भारत में ही निर्माण को प्राथमिकता दी। 'मेक इन इंडिया' अभियान को बल देते हुए उन्होंने स्वदेशी फाइटर जेट तोप, और ड्रोन तकनीक को प्रोत्साहित किया। देश के निजी उद्योगों को भी उन्होंने रक्षा क्षेत्र में निवेश के लिए प्रेरित किया और डीआरडीओ के साथ साझेदारी के नए मॉडल लागू किए। ड्रोन तकनीक के क्षेत्र में उनकी दूरदृष्टि ने भारत को एक वैश्विक शक्ति के रूप में उभरने का मार्ग दिया है। हाल ही में 2000 करोड़ के ड्रोन प्रोत्साहन पैकेज के अंतर्गत उन्होंने न केवल सैन्य उपयोग के लिए बल्कि कृषि, ट्रैफिक प्रबंधन और आपदा राहत जैसे क्षेत्रों के लिए भी ड्रोन विकास को गति दी है। पाकिस्तान के संदर्भ में उनका रुख अत्यंत स्पष्ट रहा है- "बातचीत तब ही संभव है जब आतंकवाद बंद हो और पाकिस्तान अपने गुनाह स्वीकार करे।" उन्होंने यह भी कहा कि यदि पाकिस्तान से कोई संवाद होगा, तो वह केवल पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) पर होगा। यह उनके नेतृत्व की स्पष्टता, साहसिकता और रणनीतिक स्थिरता को दर्शाता है। राजनाथ सिंह ने भारत की सामरिक नीतियों को केवल आक्रामकता ही नहीं दी, बल्कि संतुलन भी प्रदान किया है। उनका कहना है, "हम शांति के पक्षधर हैं, लेकिन यदि कोई हमें ललकारेगा, तो हम उसे जवाब देना जानते हैं।" यह भावना ही आज के भारत को एक मजबूत राष्ट्र के रूप में स्थापित कर रही है। उनकी दूरदर्शिता और राष्ट्रप्रेम ने उन्हें देश के सर्वोच्च नेताओं की श्रेणी में स्थापित किया है। राजनाथ सिंह का व्यक्तित्व विनम्रता, नीतिपरक दृढ़ता और संतुलित संवाद का उदाहरण है। वे विरोधी विचारों का सम्मान करते हैं लेकिन राष्ट्रहित से समझौता नहीं करते। इसी विचारधारा को उन्होंने रक्षा मंत्री बनने के बाद अपनी कार्यशैली में उतारा। बीते वर्षों में भारत जिन आतंकी चुनौतियों का सामना कर रहा है, उसमें राजनाथ सिंह का रुख न केवल स्पष्ट रहा है बल्कि निर्णायक भी। कोई आंख तरेर कर तो देखें! पर ललकार की मुद्रा में वे कठोर जबाव देते हैं। हाल ही में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद केंद्र सरकार ने जिस तत्परता और आक्रामकता से 'ऑपरेशन सिंदूर' को अंजाम दिया, वह भारत की बदली हुई सैन्य सोच का प्रतीक है। राजनाथ सिंह ने चीन एवं पाक के दोगलेपन पर यह स्पष्ट किया कि "शांति केवल एक भ्रम है, हमें हर पल युद्ध जैसी तैयारी में रहना होगा।" इस अभियान में भारतीय वायुसेना और नौसेना की संयुक्त कार्रवाई ने पाकिस्तान स्थित आतंकवादी अड्डों को ध्वस्त कर यह संदेश दे दिया कि भारत अब केवल प्रतिक्रिया नहीं, प्रति-प्रहार की नीति पर चलेगा। उन्होंने यह भी उजागर किया कि इस बार की कार्रवाई में स्वदेशी हथियारों और ड्रोनों की प्रमुख भूमिका रही, जो उनकी 'आत्मनिर्भर भारत' रक्षा नीति की बड़ी सफलता है। जो नवनिर्माण की रफ्तार एवं नई कड़ी है। रक्षा मंत्री ने गर्व से बताया कि भारतीय सेना अब आयात पर निर्भर नहीं, बल्कि स्वदेशी तकनीक से आतंकवाद को जवाब दे रही है। उनका मानना है कि सुरक्षा केवल सीमाओं की रक्षा नहीं है, बल्कि राष्ट्र के आत्मबल और तकनीकी सामर्थ्य को विकसित करना भी है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि आज के तकनीकी युग में, कंप्यूटर सूचना प्रौद्योगिकी, उपग्रह संचार, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और क्वांटम कंप्यूटिंग में प्रगति वैश्विक अर्थव्यवस्था को बदल रही है। भारत ने इन नवाचारों को अपनाते हुए गतिशील आर्थिक परिदृश्य का निर्माण किया है। रक्षा मंत्री के रूप में राजनाथ सिंह आधुनिक युद्धकला में तेज गति से बदलाव कर रहे हैं एवं रक्षा में करिश्मा दिखा रहे हैं। उन्होंने युवाओं की प्रतिभा को सामने लाने के लिए रक्षा उत्कृष्टता के लिए नवाचार (आईडीईएक्स) और प्रौद्योगिकी विकास निधि (टीडीएफ) जैसी योजनाएं शुरू की हैं, जिसके माध्यम से उनके साथ-साथ देश के सपने भी साकार हो सकते हैं। भारत के पास विकास और सुरक्षा को लेकर एक विशिष्ट दृष्टिकोण है, जिसने रक्षा में आत्मनिर्भरता को एक प्रमुख राष्ट्रीय लक्ष्य बनाया है। राजनाथ सिंह के सफल नेतृत्व में भारत रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन रहा है, जिसके दूरगामी प्रभाव होंगे। राजनाथ सिंह ने वैज्ञानिकों और इंजीनियरों से बदलते समय के साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और क्वांटम कंप्यूटिंग जैसी उच्च-स्तरीय तकनीकों पर नियंत्रण हासिल करने का आह्वान किया है, जिसका उद्देश्य उन्नत, अग्रणी और अत्याधुनिक नवाचार के क्षेत्र में भारत की स्थिति को और मजबूत करना है। भारत पहले कुछ कारणों से आधुनिक हथियारों और तकनीक के मामले में पीछे रह गया था, लेकिन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व एवं दूरदर्शी रक्षामंत्री राजनाथ सिंह के नये मंजिले-नये रास्तों की रफ्तार के साथ भारत अभूतपूर्व गति से रक्षा में आत्मनिर्भरता की ओर तीव्र गति से अग्रसर है। सिंह ने रक्षा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए नई सोच एवं स्वदेशी उत्पाद को प्राथमिकता दी है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

भारत-इंग्लैंड तीसरा टेस्ट आज से

भारतीय टीम में बुमराह शामिल, इंग्लैंड की टीम में चार साल बाद हुई आर्चर की वापसी

लॉर्ड्स । भारत और इंग्लैंड के बीच गुरुवार से यहां होने वाले तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में दोनो ही टीमें जीत के इरादे से उतरेंगी। अभी ये सीरीज 1-1 से बराबरी पर है। ऐसे में दोनो ही टीमों का लक्ष्य इस मैच को जीतकर सीरीज में बढ़त बनाना रहेगा। इंग्लैंड ने पहला टेस्ट पांच विकेट से जबकि भातरीय टीम ने दूसरा टेस्ट 300 से अधिक रनों से जीता है। ऐसे में भारतीय टीम के हौंसले बुलंद हैं और वह इस मैच में भी बढ़े हुए मनोबल से उतरेगी। भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल ने अब तक सीरीज में दोनो ही टेस्ट मैचों में शतक लगाये हैं और उनका लक्ष्य इस प्रदर्शन को बनाये रखना रहेगा। इस मैच में भारतीय टीम में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की वापसी होगी। बुमराह को दूसरे टेस्ट में आराम दिया गया था। वहीं प्रसिद्ध कृष्णा को अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिली है। दूसरे टेस्ट में 10 विकेट लेकर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले तेज गेंदबाज आकाशदीप सिंह इस मैच में भी अपना प्रदर्शन बनाये रखना चाहेंगे। भारतीय

कप्तान शुभमन गिल दो टेस्ट मैचों की चार पारियों में 146.25 की औसत और 73 से ज़्यादा के आक्रामक स्ट्राइक रेट से 585 रन बनाकर सीरीज में रन बनाने के मामले में शीर्ष पर हैं। उन्होंने तीन शतक और एजबेस्टन में 387 गेंदों पर 269 रन की लंबी पारी खेली, जो उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर रहा। भारत के यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल की सलामी जोड़ी के साथ ही खेलने की उम्मीद है, क्योंकि दोनों बल्लेबाज पहले दो मैचों में एक-एक अर्धशतक और एक-एक शतक जड़ चुके हैं। कम स्कोर के बावजूद करुण नायर तीसरे नंबर पर अपनी जगह बरकरार रख सकते हैं। दोहरा शतक जड़ने वाले गिल चौथे नंबर से कप्तानी करेंगे और विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत, पहले टेस्ट की दोनों पारियों में ऐतिहासिक शतक लगाने के बाद पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे। ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा अपने अनुभव के साथ छठे नंबर पर संतुलन लाते हैं और सातवें नंबर पर वाशिंगटन सुंदर को उनकी उपयोगी बल्लेबाजी और ऑफ-स्पिन के लिए प्राथमिकता दी जा सकती है जिन्होंने दूसरे टेस्ट की पहली पारी में महत्वपूर्ण 42 रन बनाए थे। नीतीश रेड्डी बल्लेबाजी में गहराई के लिए आठवें नंबर पर अपनी जगह बरकरार रख सकते हैं, हालाँकि उन्होंने अभी तक अच्छा प्रदर्शन नहीं किया है। वहीं दूसरे टेस्ट में शानदार प्रदर्शन के बाद आकाशदीप और मोहम्मद सिराज की जोड़ी लॉर्ड्स टेस्ट में फिर से नई गेंद संभालती हुई दिखाई दे सकती है। भारत एक बदलाव के साथ उतर सकता है क्योंकि दूसरे टेस्ट के लिए आराम दिए गए जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा की जगह वापसी करेंगे, जो शुरुआती दो मैचों में खराब प्रदर्शन से गुजरे हैं। कृष्णा ने पहले टेस्ट की दोनों पारियों में मिलाकर 5 विकेट लिए, लेकिन 6+ की इकॉनमी से रन दिए। दूसरे टेस्ट में वह केवल एक विकेट ही ले पाए, लेकिन फिर भी वह काफी महंगे साबित हुए। वहीं दूसरी ओर इंग्लैंड ने पहले टेस्ट मैच में हेडिंग्ले में 371 रनों के ऐतिहासिक लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत को 5 विकेट से हराया था, वह तीसरे टेस्ट मैच में वापसी करना चाहेगा। इंग्लैंड ने इस मैच के लिए तेज गेंदबाज जोश टंग की जगह जोफ्रा आर्चर को टीम में शामिल किया गया है। आर्चरचार साल बाद टेस्ट क्रिकेट में वापसी करने को तैयार है। इसके अलावा टीम में कोई कोई भी बदलाव नहीं किए गए हैं। टंग ने दो टेस्ट मैचों में सबसे ज़्यादा विकेट लिए हैं। चार पारियों में उन्होंने 33.63 की औसत से 11 विकेट लिए हैं पर इसके बाद भी वह अपनी जगह बनाये नहीं रख पाये। आर्चर को 2021 के बाद पहली बार इंग्लैंड की टेस्ट टीम में शामिल किया गया था. आर्चर ने इंग्लैंड के लिए 13 टेस्ट खेले हैं और 31.04 की औसत से 42 विकेट लिए हैं। टीम की बल्लेबाज ओली पोप, जो रुट के अलावा हैरी ब्रुक पर आधारित रहेगी। नये विकेटकीपर बल्लेबाज जेमी स्मिथ ने भी दोनो मैचों में शानदार प्रदर्शन किया था जिससे वह बरकरार रखना चाहेंगे। गेंदबाजी की कमान आर्चर के अलावा क्रिस वोक्स, ब्रायडन कार्स और स्पिनर शोएब बशीर के पास रहेगी। लॉर्ड्स में टीम इंडिया का रिकॉर्ड भारतीय क्रिकेट टीम ने अपने टेस्ट इतिहास का कोई मुकाबला लॉर्ड्स में ही जून 1932 से सीके नायडू की कप्तानी में खेला था। उस वक्त टीम इंडिया ने मुकाबले को 158 रनों से गंवा दिया था। बाद में टीम इंडिया ने यहां कुल 19 टेस्ट मैच खेले हैं जिनमें महज 3 मुकाबलों में ही भारत को जीत मिली है। 12 मैचों में भारतीय टीम हारी है 4 मैच ड्रॉ रहे हैं। भारत की संभावित अंतिम 11 : यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, करुण नायर, शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (विकेट कीपर), रवींद्र जडेजा, नितीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर, जसप्रीत बुमराह, आकाशदीप, मोहम्मद सिराज। इंग्लैंड की अंतिम ग्यारह : जैक क्रॉली, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, हैरी ब्रूक, बेन स्टोक्स (कप्तान), जेमी स्मिथ (विकेटकीपर), क्रिस वोक्स, ब्रायडन कार्स, जोफ्रा आर्चर, शोएब बशीर

पंड्या इस कारण नहीं खेलते टेस्ट क्रिकेट

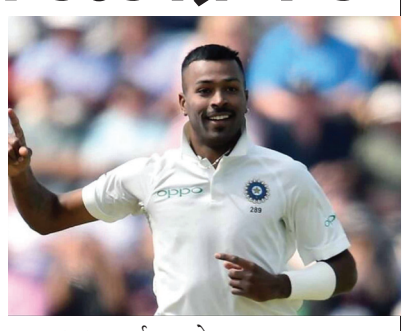

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या ने लंबे समय से टेस्ट क्रिकेट नहीं खेला है और वह केवल सीमित ओवरों (एकदिवसीय ओर टी20) प्रारुप के लिए भी उपलब्ध होते है। पंड्या ने अंतिम बार साल 2018 में टेस्ट क्रिकेट खेला था। वहीं साल 2021 में पंड्या ने टेस्ट टीम में वापसी की थी पर इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज में उन्हें मौका नहीं मिला था। इसके बाद 2021 टी20 विश्व कप के बाद, पंड्या ने खेल से ब्रेक लिया और आईपीएल 2022 में वापसी की। पंड्या ने करियर में भारत के लिए 11 मैचों की 18 पारियों में कुल 532 रन बनाए हैं। इसके अलावा 19 पारियों में गेंदबाज करते हुए उन्होंने 17 विकेट लिए हैं। उनके टेस्ट मैच न खेलने का मुख्य कारण फिटनेस है। वह अपने करियर में चोटों से काफी परेशान रहे हैं। उन्हें कई बार चोट का सामना करना पड़ता है। इसी कारण वह अपने करियर को लंबा बनाये रखने टेस्ट से दूरी बनाये हुए हैं। उनके पीठ का दर्द उनके टेस्ट क्रिकेट न खेलने के पीछे के कारणों में से एक है। पंड्या ने भी एक बार कहा था कि वह टेस्ट क्रिकेट खेलकर अपनी पीठ को जोखिम में डाल सकते हैं। उन्होंने कहा था कि मैं खुद को एक बैक-अप सीमर मानता हूं। पीठ की सर्जरी के बाद मेरे लिए टेस्ट क्रिकेट खेलना परेशानी खड़ी कर सकता है हालांकि अगर वह केवल टेस्ट ही खेलते और सीमित ओवरों के लिए उन्हें अवसर नहीं मिलता तो वे टेस्ट खेल सकते थे।

प्रो कबड्डी लीग का 12वां सीजन 29 अगस्त से

मुंबई, प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) का बहुप्रतीक्षित सीज़न-12 शुक्रवार, 29 अगस्त से शुरू होगा। ग्यारह रोमांचक और सफल सीज़नों के बाद अब लीग अपने 12वें अध्याय की ओर बढ़ रही है, जो दर्शकों के लिए एक बार फिर से जबरदस्त रोमांच और प्रतिस्पर्धा लेकर आएगा। पीकेएल आयोजक मशाल स्पोर्ट्स ने बुधवार को उक्त घोषणा की। सीज़न 11 में शानदार प्रदर्शन करते हुए हरियाणा स्टीलर्स ने पहली बार खिताब जीता था और अब वे इस सीज़न में अपने खिताब की रक्षा करने उतरेंगे। सभी 12 फ्रेंचाइज़ियों ने हाल ही में संपन्न हुए खिलाड़ियों की नीलामी में अपनी टीमों को और मज़बूत किया है, जिससे यह सीज़न पहले से कहीं

ज्यादा प्रतिस्पर्धी और मनोरंजक होने की उम्मीद है। सीज़न 12 के लिए स्थानों और अन्य विवरणों की घोषणा जल्द की जाएगी। पीकेएल के लीग आयुक्त और मशाल स्पोर्ट्स के बिजनेस हेड अनुपम गोस्वामी ने कहा, "हम सीज़न 12 की शुरुआत की तारीख की घोषणा करते हुए बेहद उत्साहित हैं। हाल ही में संपन्न हुए ऐतिहासिक खिलाड़ियों की नीलामी में 10 खिलाड़ियों को 1 करोड़ से अधिक के अनुबंध मिले हैं, जो लीग के लिए एक नया मील का पत्थर है। हमें विश्वास है कि यह सीज़न अब तक का सबसे प्रतिस्पर्धात्मक और रोमांचक सीज़न होगा।" गौरतलब है कि प्रो कबड्डी लीग सीज़न 12 के लिए खिलाड़ियों की नीलामी 31 मई और 1 जून को मुंबई में आयोजित की गई थी, जिसमें रिकॉर्ड 10 खिलाड़ियों ने 1 करोड़ से अधिक की बोली पाई। एमेच्योर कबड्डी फेडरेशन ऑफ इंडिया (एकेएफआई) के तत्वावधान और मंजूरी से मशाल स्पोर्ट्स और जियोस्टार ने मिलकर प्रो कबड्डी लीग को भारत की सबसे सफल खेल लीगों में से एक में बदल दिया है। पीकेएल ने भारत के पारंपरिक खेल कबड्डी को राष्ट्रीय और वैश्विक मंच पर नई पहचान दिलाई है।

इंडिया ए मेंस हॉकी टीम की यूरोप दौरे की विजयी शुरुआत, आयरलैंड को 6-1 से हराया

आइंडहोवन (नीदरलैंड्स), यूरोप दौरे की शुरुआत इंडिया ए मेंस हॉकी टीम ने धमाकेदार अंदाज में की। टीम ने हॉकी क्लब ओरांजे-रूड, आइंडहोवन में खेले गए अपने पहले मुकाबले में आयरलैंड को 6-1 से करारी शिकस्त दी। भारत ने मैच के चारों क्वार्टर में जबरदस्त प्रदर्शन किया और विपक्षी टीम को कोई खास मौका नहीं दिया। टीम के लिए उत्तम सिंह ने पहला गोल दागकर खाता खोला, जिसके बाद अमनदीप लकड़ा ने बढ़त को दोगुना किया। इसके बाद आदित्य लालगे

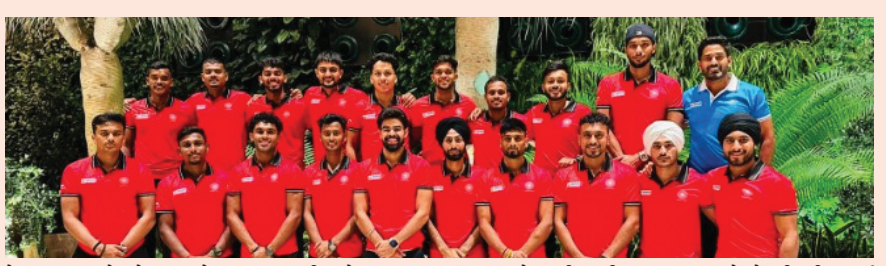

ने लगातार दो गोल करके अपना शानदार ब्रेस पूरा किया। वहीं, फॉरवर्ड सेल्वम कार्ति और बॉबी सिंह धामी ने भी एक-एक गोल कर टीम की बढ़त को और मजबूत कर दिया। दूसरी ओर, आयरलैंड की टीम केवल एक सांत्वना गोल ही कर सकी क्योंकि भारतीय डिफेंडरों ने रक्षण में कोई ढील नहीं दी। भारत अब 9 जुलाई को ही रात 9:30 बजे (भारतीय समयानुसार) एक बार फिर आयरलैंड से भिड़ेगा। टीम इस मुकाबले में भी जीत दर्ज कर अपने इस यूरोपीय दौरे में लय बनाए रखने की कोशिश करेगी। भारत इसके बाद फ्रांस, इंग्लैंड, बेल्जियम और मेजबान नीदरलैंड्स के खिलाफ भी मुकाबले खेलेगा।

व्यापार

उतार-चढ़ाव के बीच गिरावट के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, निवेशकों को 4 हजार करोड़ की चपत

नई दिल्ली, पूरे दिन उतार-चढ़ाव कर सामना करने के बाद घरेलू शेयर बाजार आज गिरावट के साथ बंद हुआ। आज के कारोबार की शुरुआत भी कमजोरी के साथ हुई थी। सुबह 10 बजे के बाद खरीदारी शुरू होने के कारण बाजार की चाल में मामूली तेजी भी आई, लेकिन दोपहर 2 बजे के बाद एक बार फिर बिकवाली का दबाव बन जाने की वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों में गिरावट आ गई। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.21 प्रतिशत और निफ्टी 0.18 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार के दौरान इंफ्रास्ट्रक्चर, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और आईटी सेक्टर के शेयरों में बिकवाली का दबाव बना रहा। इसी तरह बैंकिंग, कैपिटल गुड्स, फार्मास्यूटिकल, मेटल, ऑयल एंड गैस और टेक इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। दूसरी ओर ऑटोमोबाइल, एफएमसीजी और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स सेक्टर के शेयरों में आज खरीदारी का जोर बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में आज मिला-जुला कारोबार होता रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स

0.05 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। दूसरी ओर, स्मॉल कैप इंडेक्स ने 0.45 प्रतिशत की तेजी के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब चार हजार करोड़ रुपये की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 461.34 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी मंगलवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 461.38 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 4 हजार करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,142 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,075 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,933 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 134 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,651 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,295 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,356 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 13 शेयर बढ़त के साथ और 17 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 22 शेयर हरे निशान में और 28 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 86.62 अंक की कमजोरी के साथ 83,625.89 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही तेजड़ियों और मंदड़ियों के बीच खींचतान शुरू हो गई, जिसकी वजह से सेंसेक्स की चाल भी ऊपर नीचे होती रही। खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक 68.85 अंक की मामूली तेजी के साथ 83,781.36 अंक तक पहुंचा। बिकवाली का दबाव बनने पर इस सूचकांक ने दोबारा 330.23 अंक की कमजोरी के साथ 83,382.28 अंक तक गोता भी लगाया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 176.43 अंक की गिरावट के साथ 83,536.08 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 7.90 अंक लुढ़क कर 25,514.60 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक 26.20 अंक की तेजी के साथ 25,548.70 अंक तक पहुंचा। दोपहर 2 बजे तक बाजार में उतार चढ़ाव के बीच सपाट स्तर पर ही कारोबार होता रहा। इसके बाद बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण ये सूचकांक 98.15 अंक की कमजोरी के साथ 25,424.35 अंक तक गिर गया। हालांकि कारोबार के आखिरी आधे घंटे में हुई खरीदारी के कारण निफ्टी निचले स्तर से 50 अंक से अधिक रिकवरी करके 46.40 अंक की गिरावट के साथ 25,476.10 अंक के स्तर पर बंद हुआ। आज दिन भर के कारोबार के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से श्रीराम फाइनेंस 1.81 प्रतिशत, बजाज फाइनेंस 1.40 प्रतिशत, हिंदुस्तान यूनिलीवर 1.28 प्रतिशत, कोल इंडिया 1.20 प्रतिशत और अल्ट्राटेक सीमेंट 0.94 प्रतिशत की मजबूती के साथ आज के टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, एचसीएल टेक्नोलॉजी 2 प्रतिशत, टाटा स्टील 1.83 प्रतिशत, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज 1.70 प्रतिशत, अपोलो हॉस्पिटल 1.27 प्रतिशत और टेक महिंद्रा 1.26 प्रतिशत की कमजोरी के साथ आज के टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में भी मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली, ग्लोबल मार्केट से आज मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान दबाव में कारोबार करने के बाद मिले-जुले परिणाम के साथ सपाट स्तर पर बंद हुए। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी आज मामूली गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार खरीदारी होती रही। वहीं एशियाई बाजार में भी आज मिला-जुला कारोबार हो रहा है। डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ पॉलिसी को लेकर बनी अनिश्चितता के कारण अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव बना रहा, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक सपाट स्तर पर मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एस एंड पी 500 इंडेक्स 0.07 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 6,225.52 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसके विपरीत नैस्डेक ने 0.01 प्रतिशत की सांकेतिक तेजी के साथ 20,414.72 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज फिलहाल 0.04 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 44,422.22 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान तेजी का माहौल बना रहा।

एफटीएसई इंडेक्स 0.54 प्रतिशत उछल कर 8,854.18 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.56 प्रतिशत की मजबूती के साथ 7,766.71 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 133.24 अंक यानी 0.55 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,206.91 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजार में आज मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजार में से 6 के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 3 सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। गिफ्ट निफ्टी 0.13 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 25,571 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह हैंग सेंग इंडेक्स 167.86 अंक यानी 0.70 प्रतिशत टूट कर 23,980.21 अंक के स्तर तक गिर गया है। इसके अलावा सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.50 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,110.02 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। दूसरी ओर, कोस्पी इंडेक्स 0.45 प्रतिशत की तेजी के साथ 3,128.98 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.29 प्रतिशत की मजबूती के साथ 3,507.69 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.26 प्रतिशत उछल कर 4,058.53 अंक के स्तर पर, जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.22 प्रतिशत की बढ़त के साथ 6,919.63 अंक के स्तर पर, ताइवान वेटेड इंडेक्स 0.05 प्रतिशत की मामूली मजबूती के साथ 22,374.50 अंक के स्तर पर और निक्केई इंडेक्स 0.04 प्रतिशत की सांकेतिक तेजी के साथ 39,703.41 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

सर्राफा बाजार में सस्ता हुआ सोना, चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली, घरेलू सर्राफा बाजार में आज गिरावट का रुख नजर आ रहा है। सोना आज 600 रुपये से लेकर 660 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हुआ है। हालांकि चांदी के भाव में आज कोई बदलाव नहीं हुआ है। भाव में गिरावट आने की वजह से आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 98,180 रुपये से लेकर 98,330 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 90,000 रुपये से लेकर 90,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज भी 1,10,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 98,330 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 90,150 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश

की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 98,180 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 90,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 98,230 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 90,050 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 98,180 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 90,000 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 98,180 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 90,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 98,330 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 90,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 98,230 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 90,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 98,330 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 90,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना सस्ता हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 98,180 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 90,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

व्यापारिक बाजारों पर भारत बंद का कोई असर नहीं : प्रवीण खंडेलवाल

नई दिल्ली, देशभर के किसी भी वाणिज्यिक बाजार पर कथित भारत बंद का कोई प्रभाव नहीं पड़ा है। सभी व्यापारिक बाजार और कारोबारी केंद्र सामान्य रूप से खुले हैं और प्रतिदिन की तरह कारोबारी गतिविधियां सामान्य रूप से जारी हैं।

कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीण खंडेलवाल ने बुधवार को बताया कि देशभर के व्यापारियों ने इस बंद का कोई समर्थन नहीं किया है। उन्होंने अपने प्रतिष्ठान खुले रखकर कारोबार को जारी रखने का फैसला लिया है। चांदनी चौक से भाजपा सांसद खंडेलवाल ने कहा कि व्यापारिक समुदाय आर्थिक गतिविधियों और राष्ट्रीय प्रगति के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के साथ एकजुट खड़ा है और ऐसे

बंद या गतिविधियों का समर्थन नहीं करता है। उल्लेखनीय है कि ट्रेड यूनियनों ने चार प्रमुख मांगों को लेकर देशभर में 10 केंद्रीय श्रम संगठनों की एक मंच के तहत राष्ट्रव्यापी एक दिन की हड़ताल का आह्वान किया है। इस हड़ताल से आवश्यक सेवाएं अधिकतर अप्रभावित रहीं, लेकिन केरल, झारखंड और पुडुचेरी में हड़ताल से कुछ चुनिंदा सेवाएं प्रभावित होने की ख़बरें हैं।

वैगनआर ने सबसे ज्यादा बिकने वाली सीएनजी हैचबैक का खिताब जीता

नई दिल्ली । वित्त वर्ष 2025 में मारुति सुजुकी की वैगनआर ने सबसे ज्यादा बिकने वाली सीएनजी हैचबैक का खिताब हासिल किया है। अप्रैल से जून 2025 की तिमाही में कंपनी ने वैगनआर सीएनजी की कुल 1,02,128 यूनिट्स की बिक्री की है। यह आंकड़ा इस बात का प्रमाण है कि ईंधन की बढ़ती कीमतों और बेहतर माइलेज की चाहत के चलते ग्राहक पारंपरिक पेट्रोल-डीजल के विकल्प के रूप में सीएनजी वाहनों को तेजी से अपना रहे हैं। मारुति की ही इर्टिगा सीएनजी इस दौरान सबसे ज्यादा बिकने वाली सीएनजी कार रही, लेकिन वैगनआर ने हैचबैक सेगमेंट में सबसे अधिक ग्राहक बटोरे। वैगनआर को इसकी किफायती कीमत, शानदार माइलेज और बेहतर फीचर्स के लिए जाना

जाता है। इसमें 1.0 लीटर और 1.2 लीटर पेट्रोल इंजन विकल्प मिलते हैं, जिसमें सीएनजी वेरिएंट भी उपलब्ध है। कार का दावा है कि सीएनजी पर यह 34 किमी प्रति किलोग्राम तक का माइलेज दे सकती है। इसके अलावा वैगनआर में 7-इंच टचस्क्रीन, 4-स्पीकर म्यूजिक सिस्टम, स्टेयरिंग माउंटेड कंट्रोल और रियर पार्किंग सेंसर जैसे फीचर्स दिए गए हैं। इसकी एक्स-शोरूम कीमत 5.79 लाख रुपये से शुरू होकर 7.62 लाख रुपये तक जाती है।

निधि अग्रवाल ने फिल्म सिंगल की तारीफ की, बताया- एक मजेदार यात्रा

तेलुगू सुपरस्टार पवन कल्याण की अपकमिंग फिल्म हरि हर वीरा मल्लू में मुख्य भूमिका निभा रहीं अभिनेत्री निधि अग्रवाल ने मई में रिलीज हुई तेलुगू फिल्म सिंगल की तारीफ की है। उन्होंने फिल्म को एक मजेदार यात्रा बताया और कहा कि निर्देशक कार्तिक राजू ने इसे शानदार तरीके से बनाया है। अभिनेत्री ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, अभी-अभी सिंगल (तेलुगू) देखी!! कार्तिक राजू द्वारा शानदार तरीके से बनाई गई यह फिल्म एक शानदार यात्रा है। श्री विष्णु और विनेला किशोर ने हमें शुरू से लेकर आखिरी तक खूब हंसाया। इवाना और केतिका शर्मा और दोनों बहुत अच्छे थे। अल्लू अरविंद सर, गीता आर्ट्स और पूरी कास्ट और क्रू को बधाई। यह फिल्म इस साल मई में रिलीज हुई थी, जो कि बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुई थी। वहीं, फिल्म निर्माता अल्लू अरविंद इस फिल्म में अभिनेता श्री विष्णु के अभिनय से इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने अभिनेता को फोन किया और अपने बैनर द्वारा निर्मित दो और फिल्मों में काम करने का ऑफर दिया। फिल्म सिंगल में श्री विष्णु, इवाना और केतिका मुख्य भूमिका में थे। इसे गीता आर्ट्स, अल्लू अरविंद ने कल्याण फिल्म्स के साथ मिलकर प्रस्तुत किया था। 9 मई को सिनेमाघरों में आई, इस फिल्म का निर्माण विद्या कोप्पिनीडी, अनु प्रताप और रियाज चौधरी ने किया। अल्लू अरविंद के लिए यह फिल्म खास थी क्योंकि उनकी बेटी विद्या ने इस फिल्म का निर्माण किया था। अल्लू अरविंद ने निर्देशक कार्तिक राजू को भी बधाई देते हुए कहा था, मैं सभी दर्शकों का तहे दिल से शुक्रिया अदा करता हूं, जिन्होंने साबित कर दिया कि अगर फिल्म अच्छी है तो वे थिएटर में आएंगे। विष्णु के साथ मेरा सफर अभी भी जारी रहेगा। फिल्म की नायिका ओं केतिका और इवाना ने शानदार अभिनय किया है। वहीं, विशाल चंद्रशेखर ने फिल्म के लिए बेहतरीन संगीत दिया और इसे इतना आकर्षक बनाया है। सभी युवा निर्देशकों को इस सफलता का जश्न मनाते हुए देखना बहुत खुशी की बात है।

लाल साड़ी में मोनालिसा ने ढाया कहर, जुड़वां जाल के सेट से शेयर की दिलकश तस्वीरें

भोजपुरी सिनेमा की ग्लैमरस क्वीन मोनालिसा एक बार फिर अपने ट्रेडिशनल अवतार में छा गई हैं. हाल ही में उन्होंने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें पोस्ट की हैं जिनमें वह लाल रंग की खूबसूरत साड़ी में नजर आ रही हैं. यह तस्वीरें उनके अपकमिंग शो जुड़वां जाल के सेट से हैं, जो जल्द ही हंगामा ओटीटी पर रिलीज होने वाला है. इन फोटोज में मोनालिसा ने सिंपल लेकिन बेहद एलिगेंट लुक कैरी किया है. रेड साड़ी, डीप नेक ब्लाउज, सिंपल नेकपीस और खुले बालों में मोनालिसा का अंदाज बेहद आकर्षक लग रहा है. इस लुक में उनकी सादगी और ग्लैमर का जबरदस्त मेल देखने को मिल रहा है. उन्होंने कैप्शन में सवाल भी किया, अनामिका या शुचि? जिससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि यह तस्वीरें शो में उनके दोहरे किरदार की झलक दे रही हैं. मोनालिसा की इन तस्वीरों पर फैंस का प्यार जमकर बरस रहा है. कोई उन्हें स्टनिंग ब्यूटी कह रहा है तो कोई बॉम्बशेल इन रेड. इस पोस्ट को कुछ ही घंटों में हजारों लाइक्स और कमेंट्स मिल चुके हैं. फैंस को अब जुड़वां जाल में मोनालिसा की परफॉर्मेंस देखने का बेसब्री से इंतजार है. हर बार की तरह इस बार भी वह अपनी एक्टिंग और स्टाइल से दर्शकों को इंप्रेस करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं.

प्यार और मुकाम पाने के लिए खुद से जंग लड़ते दिखे अहान पांडे, सैयारा का ट्रेलर रिलीज, पागलपन और दिल टूटने की कहानी

यशराज बैनर की अगली फिल्म सैयारा पिछले काफी से चर्चा में है। फिल्म से कलाकारों के पोस्टर और टीजर सामने आने के बाद इसे लेकर उत्सुकता और बढ़ गई थी। अब इस फिल्म का ट्रेलर भी रिलीज हो गया है। चंकी पांडे की बेटी अनन्या पांडे के चचेरे भाई अहान पांडे सैयारा से बॉलीवुड में कदम रख रहे हैं, वहीं इसके जरिए यशराज ने अनीत पड्डा को भी बॉलीवुड में बड़ा ब्रेक दिया है। ट्रेलर में अहान और अनीत के बीच रोमांस देखने को मिल रहा है। ये एक ऐसी अनोखी प्रेम कहानी है, जो न सिर्फ दिल तोड़ती है, बल्कि दिल भर भी देती है। एक गायक, जुनूनी और दिल टूटे आशिक के किरदार में जहां अहान खूब जम रहे हैं, वहीं अनीत की खूबसूरती और अदायगी भी देखते ही बनती है। रोमांस, बिछड़न और दर्द से भरा ये ट्रेलर कभी आशिकी 2 तो कभी रॉकस्टार जैसी फिल्मों की याद दिला रहा है। मोहित सूरी ने फिल्म का निर्देशन किया है। सैयारा की कहानी भले नई नहीं लग रही हो, लेकिन अहान और

अनीत की नई जोड़ी ने इस पुरानी कहानी में रंग भरने की जोरदार कोशिश की है। दोनों की केमिस्ट्री जोरदार है। सोशल मीडिया पर लोगों का कहना है कि ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर शानदार कमाई करेगी। ये कहानी है संगीत की दुनिया से जुड़े कलाकारों की, जहां कला की कद्र नहीं होती तो कलाकार अपना आपा खो बैठता है। मॉडलिंग जगत के बाद अहान फिल्म सैयारा से अभिनय की दुनिया में कदम रखने वाले हैं। अभिनय में उनकी गहरी दिलचस्पी है। वह बचपन से ही अभिनेता बनना चाहते थे। वह चंकी पांडे के भतीजे और अनन्या पांडे के चचेरे भाई हैं। अहान चंकी के भाई और व्यवसायी चिक्की पांडे के बेटे हैं। उनकी मां डीन पांडे मशहूर लेखिका और फिटनेस विशेषज्ञ हैं। अहान की बहन का नाम अलाना पांडे हैं, जो जानी-मानी सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर है। उधर, अनीत की बात करें तो वह कई विज्ञापनों में नजर आ चुकी हैं। वेब सीरीज बिग गर्ल्स डोंट क्राई में अनीत मुख्य स्टार कास्ट का हिस्सा थीं। अमेजन प्राइम वीडियो पर आई इस सीरीज में उन्होंने रूही आहूजा का किरदार निभाया था। इसमें पूजा भट्ट और राइमा सेन भी अहम किरदारों में थे। अनीत, काजोल और विशाल जेठवा अभिनीत फिल्म सलाम वेंकी में नंदिनी के किरदार में दिख चुकी हैं। इस फिल्म का निर्देशन रेवती ने किया था।

बॉर्डर 2 की शूटिंग में व्यस्त है वरुण धवन

बालीवुड अभिनेता वरुण धवन आजकल अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'बॉर्डर 2' की शूटिंग में व्यस्त हैं। अभिनेता वरुण ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर शूटिंग के दौरान की तस्वीरें शेयर कीं। इनमें किसी भी एक्टर का चेहरा नहीं दिख रहा है, लेकिन एक तस्वीर में सुनील शेट्टी के बेटे और एक्टर आहान शेट्टी नजर आ रहे हैं। वह आर्मी वर्दी में हैं और उनका हाथ मिट्टी से सना हुआ दिख रहा है। दूसरी तस्वीर भी इसी तरह की है, जिसमें वर्दी और हाथ मिट्टी में लथपथ हैं। वरुण ने तस्वीरों पर बस छोटा सा कैप्शन लिखा 'बॉर्डर 2'। यह पोस्ट ऐसे समय आया है जब फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉइज ने अभिनेता दिलजीत दोसांझ पर लगा अस्थायी बैन सीमित रूप से हटा लिया है। दरअसल, फिल्म 'सरदार जी 3' में पाकिस्तानी एक्ट्रेस हानिया आमिर के साथ काम करने को लेकर विवाद के बाद दिलजीत पर भारत में फिल्मों में काम करने पर रोक लगा दी गई थी। फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉइज के अध्यक्ष बी.एन. तिवारी के मुताबिक, 'बॉर्डर 2' के निर्माता भूषण कुमार ने फेडरेशन से अपील की थी कि दिलजीत को इस फिल्म की शूटिंग की अनुमति दी जाए। इस अपील के बाद उनके बैन को सिर्फ इस प्रोजेक्ट के लिए अस्थायी रूप से हटा लिया गया है। बाकी फिल्मों के लिए उन पर रोक बनी हुई है। 'बॉर्डर 2' 1997 में आई जेपी दत्ता की ब्लॉकबस्टर 'बॉर्डर' का सीक्वल है, जो 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध पर आधारित थी। पहले भाग में सनी देओल, सुनील शेट्टी, जैकी श्रॉफ और अक्षय खन्ना लीड रोल में थे। सीक्वल 'बॉर्डर 2' में सनी देओल एक बार फिर मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। फिल्म का निर्देशन अनुराग सिंह कर रहे हैं, जिन्होंने 2019 में अक्षय कुमार की 'केसरी' बनाई थी।

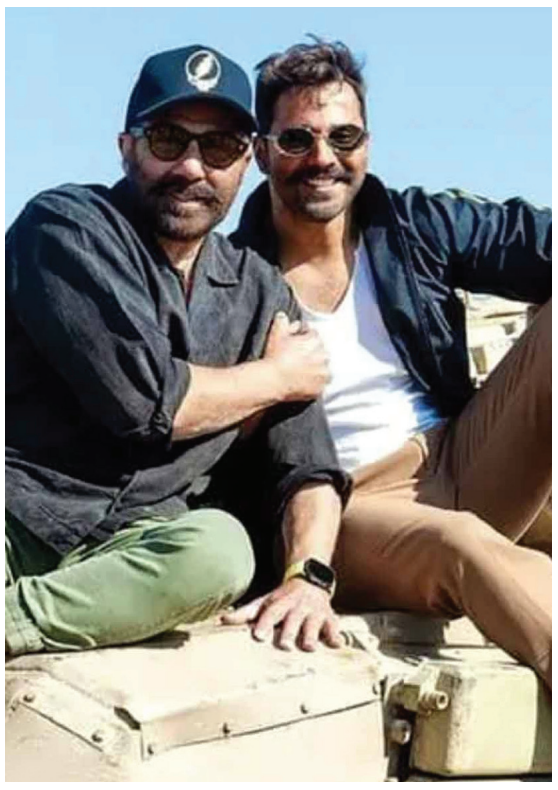

अच्छी तरह से सिखा के निकाला है मैंने अजय को : काजोल

हाल ही में बालीवुड एक्ट्रेस काजल ने अपने पति एवं एक्टर अजय देवगन के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि वह ही ऐसे एक्टर हैं जो हर तरह की फिल्म बहुत अच्छे से करते हैं। इसके अलावा काजोल ने अजय के उस समय के बारे में भी बात की जब उनकी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर पिट रही थीं। काजोल ने एक इंटरव्यू में मस्ती करते हुए कहा कि अजय का करियर शादी के बाद अच्छा हुआ है। उन्होंने कहा, देखो मुझसे शादी करने के बाद उनका करियर बदल गया। अच्छी तरह से सिखा के निकाला है मैंने उनको। काजोल ने आगे कहा, लेकिन उनको हैट्स ऑफ है। मुझे लगता है कि वह ही एक ऐसे एक्टर हैं जिन्होंने हर जॉनर की फिल्म में सक्सेस पाई है फिर चाहे वो कॉमेडी हो, एक्शन, रोमांस या फिर ड्रामा। जो भी वह करते हैं उसे अच्छे से करते हैं। अजय की कौनसी फिल्म उनकी फेवरेट है? इस पर उन्होंने कहा, मुझे कंपनी बहुत पसंद है, वह मेरी टॉप फेवरेट है। बेस्ट फिल्म मेरे लिए वैसे लेजेंड ऑफ भगत सिंह है। वह जबरदस्त थी। एक किरदार जो ऐसे दिखाया है। बता दें कि अजय देवगन के प्रोडक्शन हाउस को एक बार फिल्म राजू चाचा को लेकर फेलियर देखना पड़ा था। उस वक्त वह फिल्म काफी महंगी थी, लेकिन फिल्म के फ्लॉप होने पर अजय को काफी नुकसान झेलना पड़ा था। हालांकि इसके बाद उन्होंने आगे कई फिल्में बनाईं जो हिट भी थीं। इस पर काजोल ने कहा, वो काफी खराब था। अजय काफी निराश हुए थे। उन्हें काफी समय लगा था उससे उबरने में। लेकिन मानना पड़ेगा कि वह फिर भी खड़े रहे और आगे भी फिल्में प्रोड्यूस की। कई लोग इतने बड़े लॉस के बाद तो छोड़ देते हैं, लेकिन उन्होंने रिस्क लिया और आज भी बतौर प्रोड्यूसर काम कर रहे हैं। काजोल के बारे में बता दें कि उनकी फिल्म मां हाल ही में रिलीज हुई है जो कि हॉरर कॉमेडी फिल्म है। फिल्म को मिक्स रिव्यूज मिले हैं। अब वह इसके बाद सरजमीन फिल्म में नजर आने वाली हैं जिसमें उनके साथ पृथ्वीराज सुकुमारण और इब्राहिम अली खान लीड रोल में हैं। बता दें कि काजोल और अजय देवगन बॉलीवुड की फेवरेट जोड़ी में से एक है। दोनों हमेशा एक-दूसरे को पर्सनली और प्रोफेशनली सपोर्ट करते हैं। दोनों ने साथ में पहली बार साल 1995 में आई फिल्म हलचल में काम किया था।

कभी नहीं सोचा था कि मैं भी इंडस्ट्री का हिस्सा बनूंगी: जरीन खान

हाल ही में एक वीडियो शेयर कर बालीवुड एक्ट्रेस जरीन खान ने पुरानी यादें ताजा की है। सोशल मीडिया पर जारी वीडियो में उनके साथ कटरीना कैफ नजर आ रही हैं और यह उस दौरान का है जब जरीन एक्ट्रेस भी नहीं बनी थीं और यह साल 2008 में आई फिल्म रेस के प्रीमियर के दौरान का है। जरीन ने इस वीडियो को शेयर कर उसे फैन गर्ल मोमेंट बताया है। वीडियो में आपको दिखेगा कि कटरीना ने पिंक कलर की लाड़ी पहनी है और वह खड़ी होती हैं तभी जरीन वहां एक्साइटेड होकर आती हैं और उनसे ऑटोग्राफ मांगती हैं। कटरीना उन्हें फिर ऑटोग्राफ देती हैं। वीडियो शेयर कर जरीन ने लिखा, ओह माय गॉड...यह वीडियो मेरे सामने आया और यह याद आज भी इतनी फ्रेश है। मुझे आज भी यह मोमेंट अच्छे से याद है। यह रेस फिल्म के प्रीमियर के दौरान का है। थैंक्स मेरे दोस्तों को जिन्होंने मुझे पास दिए थे। उस वक्त मेरी आंखें खुली की खुली रह गई थीं। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं भी इस फिल्म इंडस्ट्री का हिस्सा बनूंगी। लेकिन देखो मैं कितनी खुश दिख रही हूं वीडियो में, टोटल फैन गर्ल मोमेंट था। बता दें कि जरीन का कई बार कटरीना से कम्पैरिजन किया जाता है। इस कम्पैरिजन पर जरीन ने कहा था, जब मैं इंडस्ट्री में आई तो मैं बिल्कुल एक ऐसे बच्चे की तरह थी जैसे खो गई है क्योंकि मैं फिल्मी बैकग्राउंड से नहीं थी। मुझे खुशी होती थी कम्पैरिजन से क्योंकि मैं भी उनकी फैन थी। लेकिन इससे मेरे करियर पर काफी असर पड़ा क्योंकि इस वजह से उन्हें इंडस्ट्री में लोगों ने ज्यादा चांस नहीं दिए।

Prime Minister Modi was given a grand welcome in Brazil with the melodious tunes of 'Ram Bhajan'

New Delhi, Prime Minister Narendra Modi was given a grand welcome with the melodious tunes of 'Ram Bhajan' in Brazil's capital Brasilia. Prime Minister Modi started his state visit to Brazil after attending the BRICS summit in Rio de Janeiro. PM Modi has gone on a state visit to Brazil on the special invitation of Brazilian President Luiz Inacio Lula da Silva. When PM Modi reached Alvorada Palace in Brasilia, he was welcomed with a special cultural presentation of 'Ram Bhajan'. External Affairs Ministry spokesperson Randhir Jaiswal shared a 2.48 minute video on social media platform 'X' and wrote, PM @narendramodi was welcomed with a special rendition of 'Ram Bhajan' on his arrival at Alvorada Palace in Brasilia ahead of official talks. In the video, classical

singer Meeta Ravindra Kumar Karahe was seen presenting devotional songs to welcome Prime Minister Modi. During this, Prime Minister Modi was also seen enjoying the melodious tunes of 'Ram Bhajan'. Standing with Brazilian President Lula da Silva, PM Modi was clapping while listening to the bhajan. Mita Ravindra Kumar Karahe said, I met the Prime Minister and greeted him by saying 'Namaste'. I said that I am going to sing for him the next day. I had received this invitation from the Brazilian government.

He said that the people of Brazil are like Indians in their behaviour and hospitality. He said, despite living far from the motherland, Brazil feels like another India. Classical singer Mita said, I started learning classical music at the age of 10-11 years. The invitation I received from the Brazilian government said that President Lula wants someone from Prime Minister Modi's country to perform his favourite bhajan. Prime Minister Modi was warmly welcomed by President Lula da Silva at the Alvorada Palace in Brasilia on Tuesday. PM Modi's visit began after the BRICS summit in Rio de Janeiro. During their talks, the leaders agreed to promote cooperation between the two countries.

Prime Minister Modi described President Lula da Silva as the "chief architect" of the strategic partnership between India and Brazil. He emphasized that the Brazilian leader has played a key role in deepening our relations. Prime Minister Modi wrote on the social media platform 'X', "Had a fruitful conversation with President Lula, who has always been passionate about India-Brazil friendship. Our talks included ways to deepen business ties and diversify bilateral trade. We both agreed that there is immense potential for such relations to flourish in the times to come." He also shared photos of his meeting with President Lula. In a post, PM Modi wrote, Clean energy, sustainable development and overcoming climate change were also key topics of discussion in our talks. Other areas where we will work even more closely include defence, security, AI and agriculture. India-Brazil cooperation in space, semiconductors and DPI will benefit our people. In a joint press conference with President Lula, PM Modi said, I thank my friend President Lula for the warm welcome in Rio and Brasilia. We are deeply impressed by the beauty of the Amazon and your warmth. Being honoured with Brazil's highest national award by the President today is a moment of great pride and emotion not just for me but for 140 crore Indians. I thank the President, the Brazilian government and the people of Brazil for this honour.

Election Commission is working to form BJP government in Bihar: ST Hasan

Moradabad, The issue of voter list revision before the Bihar assembly elections is gaining momentum. Former Samajwadi Party (SP) MP ST Hasan has reacted on this issue. Comparing the Election Commission to a BJP worker, he said that the Election Commission is working to form the BJP government. Talking to IANS on the revision of voter list in Bihar, SP leader ST Hasan said, Election Commission is working for the government. They will complete the revision within a month. The special thing in this is that our Aadhar card, which is demanded everywhere, is not accepted here. Only those things which are made after looking at Aadhar are valid. What kind of justice is this? He further said, the rest of the documents are made after looking at the Aadhar card, like passport and ration card and other documents, they are valid. Apart from the Aadhar card, how many of those who will give their birth certificate and tell that they were born in India, are poor people who do not even have a birth certificate? In such a situation, to get their name added to the voter list, they will have to give their birth certificate as well as their parents'. I believe that the Election Commission is working to form a BJP government in Bihar. It seems that the right to vote will be taken away from 2 crore people and their citizenship will be revoked. Clearly, the government is implementing NRC through the Election Commission.

Let us tell you that the constituent parties of 'India' block including Congress, Rashtriya Janata Dal, Samajwadi Party, Communist Party of India have strongly objected to the Election Commission's decision of 'Special Intensive Revision' (SIR) of the voter list. An 18-member delegation met ECI officials at the Election House on July 3 and objected to this decision and said that it would be a serious violation of the principle of equal opportunity.

A cunning thug who duped people by claiming to be an IPS officer was arrested, fake Aadhaar card was also recovered

Mumbai, Unit 2 of Mumbai Crime Branch has arrested a fraudster who used to dupe people by posing as a senior IPS officer. The accused has been identified as Sandeep Narayan Gosavi alias Sandeep Karnik alias Dinesh Bodulal Dixit. He was arrested on the basis of a complaint lodged at Azad Maidan Police Station on July 8. A case has been registered against the accused under sections 204, 318(1)(4), 319(1), 316(2), and 337 of the Indian Penal Code. At present, the police is seriously investigating the matter. During interrogation, the accused confessed that he has cheated people many times with different names and identities. The police also recovered the stolen mobile phone and a fake Aadhar card from the accused, which had the accused's photo and fake name Dinesh Bodulal Dixit written on it. The accused was produced in court, where the court sent him to police custody till July 11. The police

are now investigating how many more people the accused has duped, whether he had any accomplices, and how the fake documents were prepared. Further investigation is underway. Complainant Nazim Qasim said that about a year ago he met a person who introduced himself as a senior IPS officer and told his name as Sandeep Karnik. He often came to Nazim's shop and claimed that many officers of Mumbai Police Commissioner's Office knew him. This increased Nazim's confidence in him. On June 5, the accused told Nazim that he had forgotten his mobile phone in his car in Nagpur and asked for a phone for temporary use. Trusting him, Nazim gave him his old phone, but later when Nazim asked for his phone back, the accused started making excuses and gradually stopped talking. The accused also promised to give Rs 14,000 in exchange for the phone, but he did not return that money either. Nazim got suspicious and when he gathered information himself, he found out that the man was not a real police officer and had duped many other people in this way. On the night of 7 July, Nazim received information that the accused was present outside Gate No. 5 of the Police Commissioner's Office. He immediately informed the police officers he knew. The police took action and caught the accused from there and took him to the Crime Branch Office.

CBI gets a big success: Monica Kapoor, who was absconding for 23 years, is extradited from America

New Delhi, The Central Bureau of Investigation (CBI) has achieved a great success in bringing Monica Kapoor, who was absconding in a 23-year-old case, from America to India. The CBI team is bringing Monica, accused in the import-export scam, from America to India. The CBI was looking for Monika Kapoor for the last two decades. After this extradition, the search for her is now over. The CBI said in a press release, after a two-decade-long effort, Monika Kapoor, the wanted accused in the import-export scam, has been successfully extradited from the US. According to the investigating agency CBI, Monica Kapoor, the owner of Monica Overseas, had planned the fraud along with her brothers Rajan Khanna and Rajiv Khanna. A big

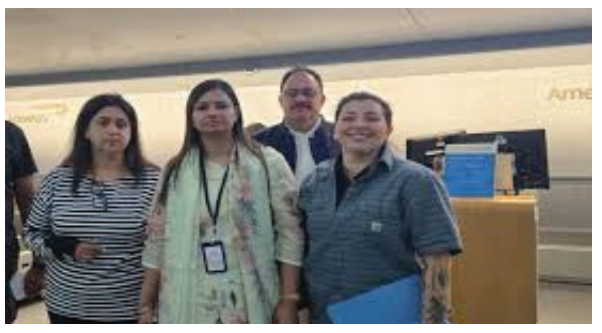

import-export fraud was carried out by creating fake shipping bills, invoices and bank certificates. He obtained six replenishment licences through forged documents, allowing him to import duty-free gold worth Rs 2.36 crore. The CBI press release mentioned that these licences were sold to an Ahmedabad-based firm 'Deep Exports' at a premium. 'Deep Exports' used them to import duty-free gold. This caused a loss of Rs 1.44 crore to the government exchequer in the year 1998. The CBI completed the investigation of this case and filed a charge sheet against Monica Kapoor, Rajan Khanna and Rajiv Khanna on 31 March 2004. After this, the Saket Court convicted Rajan and Rajiv Khanna on 20 December 2017. However, in the meantime, Monica Kapoor did not participate in the investigation and hearing. Due to this, on 13 February 2006, the court declared Monica a fugitive. On 26 April 2010, a non-bailable arrest warrant and Interpol Red Corner Notice were issued against Monica. According to the C I, the extradition request was made to the US authorities on October 19, 2010. Similarly, after coordinating with the US authorities for several years and following the legal process, a CBI team recently went to the US and took Monica Kapoor into custody. At present, the CBI team is returning to India with Monika Kapoor. The CBI said that Monika Kapoor will be produced in the concerned court and a case will be filed against her. The press release said that CBI is committed in its fight against economic crimes and will continue to pursue all legal avenues to bring the fugitives to justice, regardless of international boundaries.

Guru Purnima is celebrated on Thursday, paying homage to the Gurus who lead us from ignorance to knowledge

New Delhi, The full moon date of the month of Ashadh is falling on Thursday, on this day disciples worship their Guru and guide, from whom they have received educational and spiritual knowledge. In the scriptures, the place of the Guru is said to be even higher than the gods, because the Guru shows his disciple the path to success in life and to attain God. Guru Purnima: Salute to the Gurus who lead us from ignorance to knowledgeGururbrahma Gururvishnu Gururdevo Maheshwar. Guru: Sakshat

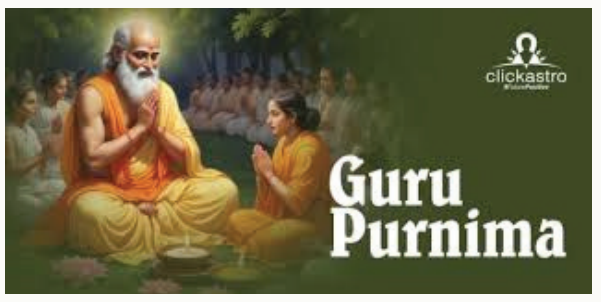

Parabrahma Tasmai Shri Guruve Namah. The meaning of this shloka is that Guru is Brahma, Guru is Vishnu, Guru is Shiva. Guru is the Supreme Brahma, we bow to Guru. In the word Guru, 'Gu' means darkness and 'ru' means destroyer, that is, the one who destroys the darkness of ignorance and gives the light of knowledge is Guru. Ved Vyas ji was born on Ashadh Shukla Purnima. Therefore, every year this day is celebrated as Guru Purnima. He edited the Vedas, composed 18 Puranas, Mahabharata and Shrimad Bhagwad Gita. Guru Purnima is also called Vyas Purnima. Taking a bath in the holy river on this day frees you from all kinds of sins and attains great virtue. Along with respecting the gurus on this day, they are also given Guru Dakshina. It is believed that on this day one should respect the guru and elders. One should express gratitude to them for their guidance in life, fasting, donation and worship also have importance on Guru Purnima. Keeping fast and donating gives knowledge and attains salvation. The festival of Guru Purnima is a symbol of the Guru-disciple tradition. Guru should be worshipped on this day, but if we are not able to meet the Guru in person, then we can worship him while meditating on him. According to the scriptures, Guru can also be worshipped mentally. Similarly, when we start any big work, we must meditate on our Guru. Doing so brings success in the work. Along with keeping a fast on this day, give yellow clothes, fruits and other things to the Guru as a gift. Also, chant the Guru Mantra on this day.

Youths perform dangerous stunt on a moving car in Korba, video goes viral

Korba : In the course of making a reel in the city, some youths put their lives and others' lives at risk. A video has emerged of youths performing stunts by sitting on the roof and window of a moving car on the Niharika main road. The incident is being reported from the Civil Line police station area. Eyewitnesses said that the youths made the reel by sitting on the roof of the moving car and hanging out of the window. During this time the car was running at a high speed on the main road. Passersby made a video of this dangerous act and shared it on social media. After the video went viral, people expressed

strong displeasure and demanded strict action against such careless stuntmen. Local people say that such acts can lead to a major accident. This is not the first time such a case has come to light in Korba. Earlier, in the Balco police station area, a video of two youths standing at the door of a moving electric auto and doing stunts had gone viral. Taking cognizance of the viral video, Korba police has started identifying the youths. Police officials said that legal action will be taken against all so that no one else can muster the courage to commit such negligence in future.

WEST BENGAL: OPPOSITION'S 'CHAKKA JAM' IN JALPAIGURI, SEVEN PROTESTERS DETAINED

Kolkata, The opposition is organizing a 'chakka jam' on July 9 against the Bihar voter revision. Its effect was seen in West Bengal's Jalpaiguri in the morning itself. Before the situation worsened, the police took seven protesters into custody and sent them to the Kotwali police station. From Wednesday morning itself, a tense atmosphere was seen in West Bengal's Jalpaiguri due to the 'bandh'. Bandh supporters gathered at important places in the city. Protests were held at the bus stand, post office and other important places. The protesters tried to stop bus services, which created a tense situation at the local level. Before the situation worsened, the police surrounded the bandh supporters from all sides and detained seven protesters and took them to

Kotwali police station. The effect of the shutdown was also visible on daily life for some time. A local woman said, I work in a school, and now I am going there. The school is closed, but the government bus will run. I left home with this confidence. Activists of the Communist Party of India (Marxist) (CPI(M)'s student wing SFI and youth wing DYFI gathered at the North Bengal State Transport Corporation depot in Shantipara, a major hub for long-distance bus services from Jalpaiguri. Regarding the bandh, CPI(M) Jalpaiguri district leader Pradeep Dey said, our workers have come out on the streets in support of Bharat Bandh at different places. This bandh has been called in support of the legitimate demands of the people and we are getting support from the public.Pradeep Dey also made serious allegations against the state government. He said, the state government is using police force to fail the bandh so that BJP can be appeased. In many places, the police has tried to use force forcibly. At the same time, Congress MP Rahul Gandhi will lead the Mahagathbandhan's 'Chakka Jam' movement in Bihar's capital Patna on July 9 (Wednesday), which is against the Special Intensive Voter List.

Rahul and Tejashwi lost their sleep due to the order to investigate the voter list: Keshav Prasad

Lucknow, There is a ruckus in the voter list case before the assembly elections in Bihar. Regarding this matter, Uttar Pradesh Deputy Chief Minister Keshav Prasad Maurya said that Rahul Gandhi and Tejashwi Yadav have lost their sleep due to the constitutional order of the Election Commission to investigate the voter list. Deputy Chief Minister Keshav Prasad Maurya wrote on the social media platform X on Wednesday that the announcement of Bihar Bandh by 'Indy Thugbandhan' clearly shows that the opposition's

frustration is at its peak. The sayings 'a thief's beard is full of straw' and 'the thief makes noise' have come true today. The Thugbandhan is not getting public support in the Bihar elections. The victory of the NDA and the defeat of the Indy Thugbandhan is certain.

He further wrote that the constitutional order of the Election Commission to check the voter list has taken away the sleep of Rahul Gandhi and Tejashwi Yadav. Baba Saheb Dr. Bhimrao Ambedkar ji is being insulted through anti-constitutional activities, which the people of Bihar will not tolerate at all. Nothing will be achieved now through rumours and propaganda. It is known that the political controversy regarding the intensive revision of the voter list before the upcoming assembly elections in Bihar is not taking the name of stopping. Opposition parties in Bihar have opened a front regarding this. Regarding this matter, Samajwadi Party chief Akhilesh Yadav has also cornered the ruling party through a press conference. He has also warned his workers to ensure that there is no discrepancy in the voter list in the upcoming elections. It has been two weeks since the work of voter intensive revision started in Bihar. The matter of the controversy over this has reached the Supreme Court. The opposition has appealed to the court to stop it. Meanwhile, the opposition is mobilizing on this issue. Today, RJD has announced a road blockade in Bihar. Bandh supporters are blocking the roads in different districts of Bihar.